



## CAPSICUM PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Capsicum seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Capsicum seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Capsicum seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming prac-	Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.															
Capsicum Hybrid	CAP-1201, Indrajeet, Indus-1202	Arjun, SPS Yellow, SPS- 1504, Indus Yellow, Indus-1504, Indus-1514, Varun	Indrajeet, SPS Red, SPS Yellow, SPS- 1514, Varun, Indus Red, Indus-120, Indus-1201, Indus-1514, Mahesh No. 7	Renuka, Indus- 11, Indus-11 (Popti),	Imperia, Mahesh No.7	nesh No.7										
Duration (open Field)	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	L			<u> </u>	<u> </u>						
Duration (Protected Cultivation)	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS											
Kharif	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes											
Rabi	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes No											
Spring	No	No	No	No	No No											
Source of Irrigation	Tube Well	Tube Well	Tube Well	Tube Well	Tube Well											
				ording to weathe				may be di	fferent							
S. No.		erations/Practi			Details of ope											
1	Suitability of t	he area/Agro-c	limatic zone		Capsicum req	uires dry h	ot climate w	vith warme	r days and	cooler nigh	ts. It cannot withstand frost and low temp					
2	Land. Soil				Well drained	sandy loam	s and alluv	ial soils. So	il Ph 5.5 to	6.5 is ideal.	•					
3	Season. Sowin	g/planting time	e		June-oct, Feb-	April in So	uth India. J	uly-Aug, F	eb- March i	n Northen	and Western India, June-July in Eastern India.					
4	Seed rate. Sow	ing/planting m	nethod.		120-150g/ acr	e, dependir	ng on the va	riety. Rids	ge & Furrov	w method.						
5		Main field and			Apply 10 tone						the soil.					
	1		1 9		* Form sowin * Apply basal * Irrigate the f * Dibble two s	g canals dose of fert ield two da eed per hill	tilizers in so y prior to so l, immediat	owing cana owing. ely give lig	ls and cove ht irrigatio	r the fertiliz						
6	Spacing				Row to Row(c	anal) 180-2	00cm; Plant	to plant: 4	5cm							
7	Seed treatmen	t before sowing			Seed is treated	l with Imid	acloprid (2	ml/kg)								
8	Manures and Fertilizers  * Basal dose before sowing : 30:50:50 Kg NPK  * First top dressing 20-25 days after sowing:50kg N  * Second top dressing 20-25 days after first top : 20 kg N															
9	Irrigation sche	dule			Irrigate field of sufficient mois						ce in 5-6days interval is recommended. Ensure					
10	Weeding/ inte										at 30 days after sowing. vine guiding					
11	Micronutrient,	growth regula	tor sprays		Spray Calciun	n Nitrate(19	% solution)	at the time	of flowerin	g to increas	se fruit set.					
12	Pest and Disea	se control			Fusarium Wil- Leaf miner: Al Thrips and Ap ml/liter)	w : Tebucor t : drench th bamectin 1. bhids: Flon	nazole 50% ne soil with 8% EC (0.5 icamid 50 %	+ Trifloxys Carbendaz to 1 ml/liti 6 WG (0.5 g	trobin 25% rim (1g/lite re) gm/litre) or	er water). Flubendia	.1 gm per litre) Chlorothalonil 75% WP 1.0 ml/Lit nmide 8.33 % + Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 r local agriculture officers.					
13	Harvest				Fruits ready fo	or harvest -	Green (90-9	95DAS) Col	loured arou	ınd 125-130	DAS.					
14	Expected yield	l			10-15 t fruits f											
17	Storage				Pre-Cooling: F quickly. Sorting/Gradi Storage Temp Relative Hum	Rapidly reming: Immederature: Maidity (RH):	nove field h liately remo nintain 7-10' Maintain h	eat. Place in ove damage °C (45-50°F igh RH at 9	n a cool roo ed, diseased ). Avoid be 90-95% to p	m, or use for l, or discolo llow 7°C to revent shriv						
18	Don't Do				Relative Humidity (RH): Maintain high RH at 90-95% to prevent shrivelling.  Don't Over-water/Under-water: Both extremes can lead to root rot, nutrient deficiency, or blossom end rot.  Don't Plant in Waterlogged Areas: Capsicums are highly susceptible to root diseases in poorly drained soils.  Don't Expose Harvested Fruits to Direct Sunlight: This causes rapid wilting and sunburn.  Don't Harvest Improperly: Tearing fruits off damages the plant and leaves wounds on the fruit, leading to spoilage											
19	Do's				Do Integrated Pest & Disease Management (IPM): Monitor regularly, use resistant varieties, biological controls, and judiciously apply chemical pesticides/fungicides.											
					Harvest fruits	at the prop	er maturity	stage to er	ncourage co	ontinuous fr	ruiting and maintain quality.					
Note	The above info	ormation is a gen	neral advisory. F	or specific recom	mendations rel	lated to par	ticular regi	ion, please	contact you	ır local Stat	e Agriculture Department.					
Precautions	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.  Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers at pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.															





## शिमला मिर्च की बेती का तरीका

हागई हो। आपने किरत्न परिचार की निमना मिर्च की बेहतीन किम की बीजों में ने एक को चुना है। किरत्न कंपनी को उञ्च रुवे के निमना सिर्च के बीजों के उत्पादन का समुद्ध अनुभव है। वे बीज आपक लोध के फलनकर नैवार किए एए हैं, जाकि अनत-अनन केरी की परिस्तितियों में अधिक उपव देने वाली हाइबिड फलने विकास की किरत्न के निमना सिर्च के बीजों में उञ्च अंकुरण अमता, मजबूत पीध मुद्धि और पंग और पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहस्तीतता देते हैं।

हतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंनित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पड़ लें।

हाइब्रिड शिमला मिर्च	सीएपी-१२०१, हाइब्रिड. इंद्रजीत,इंडस-१२०१	हाइबिड. अर्जुन, हाइबिड. एसपीएस येलो, हाइबिड. एसपीएस-१५०४, इंडस येलो, इंडस-१५०४, इंडस- १५१४, वरुण	हाडबिड. इंडजीन, हाइबिड. एसपीएस रेड, हाइबिड. एसपीएस येसो, हाइबिड. एसपीएस-१५१४, हाइबिड. यरुण, इंडस रेड, इंडस रेड, इंडस-१२०, इंडस-१२०१, इंडस-१५१४, महेरा नं.7	हाइब्रिट. रेणुका, इंडस-११, इंडस- ११ (पोपटी), एमएएम-०१	हाइब्रिड. इम्पीरिया, महेरा (नं.७), महेरा नं.७										
अवधि (खुला क्षेत्र)	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS										
अवधि (सुरक्षित खेती)	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	l	l	1	1	1	1				
						ł			<del> </del>	+					
खरीफ रबी	हों	हाँ <del>जे</del>	हों हों	gĭ gĭ	हों	<b> </b>	ļ		<b>{</b>	+	· <b> </b>				
	हों	हाँ			हाँ	ļ			<b></b>						
बसंत	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	ļ			<b></b>	<b></b>					
सिंचाई का स्रोत	ठ्युबबेल	ठ्युबबेल	ठ्युबबेल	ट्यूबवेल	ठ्युबबेल										
			कृपया ध्यान रखें कि जलवायुकी स्थि	तिके बनुसार फसल वृद्धि औ	र परिपक्क होने का समय अलग	-वलगहो सक	ता है								
क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका		कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड लागत												
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जल	साम क्षेत्र	शिमला मिर्च के लिए गरम और शुष्क मौसम उपयुक्त है	जिसमें किय गाँ और राजें रंप	ो में। यह देन और गावा सेव क	ਜਿੱਧਕਤਾ ਤੇ									
•	an mongadir jan an	113 411	144 144 144 444 414 414 414 414 414 414	6144414141414	1 611 46 33 411 11 11 11 11	in a rai 6									
2	भूमि। मिट्टी		अच्छी जल निकासी बाली रेत-युक्त दोमट और तलछट	मिटी। आदर्श मिटी का pH 5.5	5–6.5 होना चाहिए।										
_															
3	मौसम। बुबाई/रोपाई का समय	r	दक्षिण भारत में जून-अक्टूबर, फरवरी-अप्रैल उत्तरी अ	<b>गैर पश्चिमी भारत में जुलाई–अ</b>	गस्त, फरवरी–मार्च; पूर्वी भारत	में जून-जुलाई।									
4	बीज दर। बुबाई/रोपाई का तर्र	ोका	अलग-अलग किस्मों के लिए 120–150 ग्राम/एकड़। मे	वेट और नाली का नरीका।											
5	मुख्य खेत की तैयारी और रोप	<b>ा</b> ई	मोबर की 10 टन साड़ी हुई खाद डालें और जुनाई करें, "बीज बोने के लिए नाली बनाएँ " बुनाई वाली नालियों में आधार खुराक के रूप में उर्वर "बीज बोने से दो दिन पहले खेत में पानी दें। "हर मेड़ में दो बीज डालें और तुरंत हल्का पानी दें, जि	कडालें और डकदें											
6	पौधों के बीच दूरी		पंक्ति से पंक्ति (नाली) 180–200 सेमी; पौधा से पौधा:	: 45 सेमी											
7	बुआई से पहले बीज उपचार		बीजों का उपचार इमिडाक्सोप्रिड 2 मिसीकिजा से किया जाता है "बाज बान न पहल जातार सुराक: 30:50:50 क्ला NFK												
8	जैविक और रासायनिक उर्वरक	" पहली टॉप ड्रॉनिय के 20-25 दिन बाद दूसरी टॉप ड्रॉनिय: N 20 किया													
9	सिंधाई कार्यहम पिट्टी की स्थित के हिलाब में तिंधाई करें। हर 5-6 दिन के अंतराल पर हल्की सिंधाई करनी चाहिए। फूल और फल बनने के दौरान जड़ों के पाल पर्याप्त नमी सुनिधित करें  प्रडाई और लेज की बीध-शींच में बुताई  से बार हाप से खरतनवार निकालना जरूरी है। खेल में किसी भी तरह का खरफनबार न होने से बुताई के 30 दिन बाद मिट्टी चड़ाना और बेल को रास्ता परुद्राना														
10	गुड़ाई और खेत की बीच-बीच					द मिट्टी चढ़ाना	और बेल को	रास्ता पकड़ान	Т						
11	पोषक तत्व और विकास निया	मककाछिहकाव	फूलने के दौराम 1% कैल्शियम नाइट्रेट का छिड़काब क	रें, ताकि फलों की मात्रा में वृद्धि	(हो सके।										
12	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण		प्राउदी मिल्का, क्योरोजाशील 75% WP (1.0 ही पाउनी मिल्का, टेब्युकेनाओल 50% + ट्राएम्भोक्सीस्ट्रे स्वजीरेच्या बील: मिट्टी में सार्वेनाटिया (1 प्राधानीट- पत्ती पारे वाले बीट: स्वामेनिकटन 1.8% EC (0.5-1 क्रिप्स और एप्टिज्स - क्योनिकासिङ 50% WG (0.5 बेल में रोग और बीट नियंत्रण के मंत्रंग्र में अधिक जानम	विन 25% WG (0.5–1 ग्राम र पानी) का घोल डालें। मिली/लीटर) ग्राम/लीटर) या फ्लुबेंडियामाइ	इ <u>8.33% + डेल्टामैब्रिन 5.569</u>										
13	फसल काटना		फतल कटाई के लिए तैयार – हरे फलों के लिए 90–95	5 दिन बाद, रंगीन फलों के लिए	125-130 दिन बाद।										
14	अनुमानित उपज		सही देखभाल बाली फसल से 10–15 टन उपज												
17	भंडारण		कटाई करते समय ध्यान रखें: फल को थोड़ी नी डेडी स ग्री-कुलिंग: बेत की यमी को तुरंत हटाएँ। फलों को डेडी फलों की खंटाई/डेडिंग करते समय अतिदात, रोगपुक म्टोरंज के लिए जापासन 7-10°C (45-50°F) रखना सापेश नमी (RH): 90-95% बनाए रखें, ताकि फल !	जगह में रखें, या फोर्स्ड-एयर ! या खराब रंग वाले फल तुरंत ॐ । चाहिए। 7°C से नीचे तापमान	हिलेंग का उपयोग करें, ताकि ता लग करें। फलों को आ कार और स्	पमान तेज़ी से गुणवत्ता के हिस	7–10°C तक ाब से छांटें।	ऽ पहुँच सके।							
18	पानी अधिक या कम न दें. दोनों स्थितियों जह गहन , गोपक तल की कमी और व्यक्तिया एंड रॉट का कारण बन सकती हैं। दिस जगह पानी जमा रहता है कहीं सिमाला मित्र न लगाएँ, क्योंकि एंगी सिहमें में इस की सीमारियों जब्दी फैगती हैं। क्या के कर एक्सी को गीड़े मूल के रोजानी में न रहें दूसने फल जब्दी मुद्राम सन्दे हैं। पत्तत जरीके से कटाई न करें: फल को जोर से खींबने से पीछे और फल दोनों को जुक्तान होता हैं।														
19	क्या करें		एकीकृत कीट और रोग प्रबंधत (IPM) अपनाएँ: फतल फतल की कटाई उचित परिपक्षता पर करें, इससे निरंत			अपनाएँ, और	रासायनिक व	कीटनाशक/फफ्रं	दनाशक का स	ावधानीपूर्वकः	प्रयोग करें।				
नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य ज	ानकारी के लिए हैं। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशं	साओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग	से संपर्क करें।											
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उपज पर अल	ग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः	सलाह है कि सुझाब के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिव	ज्ञारी से परामर्श करें। यह सुनिध्ि	प्रत करें कि बेहतर गुणवत्ता के उ	र्वरक और कीट	नाशक ही इस	तेमाल हों। बीज	ा, उर्वरक और	कीटनाशक की	। खरीद के बिल	अपने पास रखें।			





## ढोबळी मिरची पीक व्ययस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही किरटल कुटुंबातील शिमला मिरचीच्या मर्योत्तम वियाण्यांपैकी एक वियाणे निवङले आहे. किरटलला उच्च दर्बाचे डोक्छी मिरचीचे विवाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानामाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकटित पिके विकास करण्याच्या उद्देशाले केलेच्या व्याणक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे वियाणे. शेतक्त्यांना उच्च दर्बाचे वियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच वियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या डोक्छी मिरचीच्या वियाणांमुळे, जैविक आणि अवैविक ताण सहन करण्याच्या अतीसह पिके जोमाने उपवतात आणि वाहतात्व

उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धर्तीचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

डोबळी मिरची हायब्रीड	सीएपी-१२०१, हाइब्रिड : इंद्रजीत, इंडस-१२०१	हाइब्रिड. अर्जुन, हाइब्रिड. एसपीएस येलो, हाइब्रिड. एसपीएस -१५०४, इंडस येलो, इंडस-१५०४, इंडस-१५१४, वरण	हाइबिड. इंद्रजीत, हाइबिड. एसपीएस रेड, हाइबिड. एसपीएस रेलो, हाइबिड. एसपीएस-१५१४, हाइबिड. वरुण, इंडस रेड, इंडस रेड, इंडस-१२०, इंडस-१२०१, इंडस-१५१४, महेस नं.7	हाइब्रिड. रेणुका, दंडस- ११, दंडस-११ (पोपटी), एमएएम-०१	हाइब्रिट : इम्पीरिया , महेल (मं.७), महेल मं.७									
कालावधी (खुले क्षेत्र)	160-180 दिवसांनी	160-180 दिवसांनी	160-180 दिवसांनी	160-180 दिवसांनी	160-180 दिवसांनी									
कालावधी (संरक्षित लागवड) खरीप	210-230 दिवसांनी होय	210-230 दिवसांनी होय	210-230 दिवसांनी होय	210-230 दिवसांनी होय	210-230 दिवसांनी होय									
रब्बी	होय	होय	होय	होय	होय									
वसंत ऋतू	नाही	नाही	नाही	नाही	नाही									
सिंचन स्रोत	नलिका कूप	नलिका कूप	नलिका कूप कूपवा नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थि	नलिकाकूप स्तीनसार पिकाचीबाहर	नलिका कूप									
अनु. क्र.	तपशील/कामकाज/प्रत्यव	म्न कृती	grid its at any grid it it it it.	Tangan Transis	कार्याचे तपशीस. प्रति एकर उत्पादन									
1	क्षेत्राची योग्यता/ कृषी-ह	वामान क्षेत्र			डोबळी मिरचीला दिवस उष्ण आणि रात्री थंड असलेले कोरडे, उष्ण हवामान आवश्यक असते. कडाक्याची थंडी आणि कमी तापमान ती सहन करू शकत नाही									
2	जमीन. माती				चांगला निचरा होगारी वालुकामय विकाममती आणि गाळपुक माती. आदर्श मातीचा साम् (pH) 5.5 वे 6.5 आहे.									
3	हंगाम. पेरणी/लागवडीर्च				दक्षिण भारतात जून-ऑक्टोबर, फेब्रुवारी-एप्रिल. उत्तर आणि पश्चिम भारतात जुलै-ऑगस्ट, फेब्रुवारी-मार्च, पूर्व भारतात जून-जुलै.									
4	बियाणांचा दर पेरणी/ला				प्रजातीनुसार 120-150 ग्रॅम/एकर. चर आणि सरी पद्धत.									
5	मुख्य शेताची तयारी आ अंतर	ण लागवड			10 टन कुजलेले शेणखत टाका आणि नंतर जमिनीत व्यवस्थित मिसळा. प्रत्येक सरीदरम्यान (पाट) 180-200 सेमी; प्रत्येक रोपामध्येः 45 सेमी									
7	पेरणीपुर्वी बियाणांवर प्रा	क्रेया			बियाण्यावर इमिडाक्लोप्रिड (2 मिली/किलो) प्रक्रिया केली जाते.									
8	 सेंद्रिय पदार्थ आणि खते				* परणीतंतर 20-25 दिसमांनी पहिले टॉप ड्रेसिंग: 50 किलो नत्र * पहिल्या टॉपनंतर 20-25 दिसमांनी दुसरे टॉप ड्रेसिंग: 20 किलो नत्र									
9	पेरणीपूर्वी बियाणे प्रक्रिय	т			मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. 5-6 दिवसांच्या अंतराने एकदा थोडे थोडे आणि सतत पाणी देण्याची शिकारस केली जाते. गळधारणेच्या अवस्थेत, मुळांच्या भागात पुरेसा ओलावा असल्याची खात्री करा.									
10	खुरपणी/ आंतरमशागत				दोन हार्तानी खुरपणी करणे आवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठेवा. पेरणीनंतर 30 दिवसांनी माती भरावी. फळवेल मार्गदर्शक									
11	सूक्ष्म पोषक घटक/बाढ वि	नेयामक फवारण्या			फळधारणा वाढविण्यासाठी फुलांच्या वेळी कॅल्शियम नायट्रेट (1% द्रावण) फवारणी करा.									
12	कीटक आणि रोग नियंत्रण	п			भूरी बुरशी: क्लोरोबेलोनिल 75% WP 1.0 सिसी/लिटर हेबडा बुरशी: टेब्क्लेनासोल 50% + ट्रायण्लांक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) क्लोरोबेलोनिल। 75% WP 1.0 मिसी/लिटर म्ह्रायिट्यम मर: कार्बेन्डासिम (1 ग्रॅम/लिटर पाण्यात) मुळाशी माती जिजता. पाने बाणारी अळी: अवासेक्टिन 1.8% EC (0.5 ते 1 मिसी/लिटर) मूलकिडे आणि मावा: क्लोनिकासिक 50 % WG (0.5 ग्रॅम/लिटर) किंवा फ्लुबेल्डियासाइड 8.33% + डेल्टामेब्रिन 5.56 % मा/आ SC (0.5 मिसी/लिटर)									
13	कापणी				कापणीसाठी तथार फळे - हिरवी (90-95विवसांनी) सुमारे 125-130 विवसांनी रंगीत.									
14	अपेक्षित उत्पन्न				चांगल्या प्रकारे व्यवस्थापित केलेल्या पिकातुन 10-15 टन उत्पन्न									
17	साठवणूक				काडणी काळजीपूर्वक करा: लहान देठ असलेती फळे काडा; ओडणे/फाटणे टाळा. सकाळी/संध्याकाळी थंड हवामानात काडणी करा. पूर्व-अंडीकरण: शेतातील उष्णता जलद काढून टाका. थंड खोलीत टेवा किंवा उपलब्ध असल्यास हवा थंड करा, 7-10°सेल्सियस तापमान असावे. बसावे-अल्प्रेश्वतवारी: खराव झालेले, रोगट किंवा रंगहीन फळे तावडतीव काढून टाका. आकार/गुणवत्तेनुसार श्रेणी करा. साठवण तापमान: 7-10°C (45-50°F) राखा. थंडीमुळे फळ फुटणे टाळण्यासाठी 7°C पेशा कमी तापमान टाळा. सापेश आर्द्रता (RH): आकुंचन टाळण्यासाठी उच्च RH 90-95% वर टेवा.									
18	करू नका				ज्ञास्त पाणी देऊ नका/पाण्याखाली ठेऊ नका: दोन्ही अतिरेकी परिस्थितीमुळे मुळांचे कुजणे, पोषक तत्वांची कमतरता किंवा फुलांच्या देठ कुजू शकतो. पाण्याचा निचरा नसलेल्या जमिनीत होबळी मिरचीची लागवड करू नका: पाण्याचा निचरा नसलेल्या जमिनीत होबळी मिरची मुळांना रोग होण्याची अत्यंत शक्यता असते. काडणी केलेली फळे थेट सूर्यप्रकाशात ठेऊ नका: यामुळे मिरची लवकर कोमेजते आणि उन्हामुळे वाळू शकते. अयोग्यरित्या काडणी करू नका: फळे फुटल्याने झाडाचे नुकसान होते आणि फळांवर डाग राहतात, ज्यामुळे ती खराब होतात.									
19	करा				एकात्मिक कीटक आणि रोग व्यवस्थापन (IPM) करा: नियमितपणे निरीक्षण करा, प्रतिरोधक वाण वापरा, जैविक नियंत्रणे वापरा आणि रासायनिक कीटकनाशके/बुरशीनाशके विवेकीपणे वापरा. सतत फळधारणा वाढवण्यासाठी आणि गुणवत्ता राखण्यासाठी योग्य परिपक्कतेच्या टप्प्यावर फळे काढा."									
नोंद	वरील माहिती मधून साम	मान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाः	ती संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच	त्र्या स्थानिक राज्य कृषी वि	भागाशी संपर्क साधा.									
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि करताना बिल बाळगा.	उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू	शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिक	गऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शि	फारस केती जाते. केवळ उञ्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरती जात आहेत याची खात्री करा. वियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी									





# ದೊಣ್ಣೆ ಮೆಣಸಿನಕಾಯಿ ಬೇಸಾಯದ ಕ್ರಮಗಳು

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ದೊಣ್ಣೆ ಮೆಣಸಿನಕಾಯ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಅರಿಸಿದ್ದೀರಿ, ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ದೊಣ್ಣೆ ಮೆಣಸಿನಕಾಯ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ಗೆಗೆ ಗಣನೀಯ ಅನುಭವವಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ಮೃತಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದು ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈದ್ರಿಪ್ ಬೆಳಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ನ ಗೊಣ್ಣೆ ಮೆಣಸಿನಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕಿ ಮತ್ತು ಉತ್ಪವನೆ ಪ್ರತಿಕ್ಷ ಸೇವಿಕೊಳ್ಳುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯವನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ.

ಆಶ್ಚುತ್ರವ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳ. ಈ ಕಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ದೊಣ್ಣೆ ಮೆಣಸಿನಕಾಯಿ	%ക്ഷെ-೧೨೦೧, ಹೈಪ್ರೀಡ್. ಇಂದ್ರಜೀತ್ , ಇಂಡಸ್-೧೨೦೧	ಹೈದ್ರಿಡ್. ಅರ್ಜುನ್, ಹೈದ್ರಿಡ್. ಎಸ್೬ಎಸ್ ಯಲ್ಲೋ, ಹೈದ್ರಿಡ್. ಎಸ್೬ಎಸ್-೧೫೦೪, ಇಂಡಸ್ ಯಲ್ಲೋ, ಇಂಡಸ್-೧೫೦೪, ಇಂಡಸ್- ೧೫೧೪, ವರುಣ್	ಹೈದ್ರಿಡ್, ಇಂದ್ರಜೀಡ್, ಹೈದ್ರಿಡ್, ಎಸ್ಪ್ಎಸ್ ರೆಡ್, ಹೈದ್ರಿಡ್, ಎಸ್ಪಾಎಸ್ ಯಲ್ನ್ನೋ, ಹೈದ್ರಿಡ್, ಎಸ್ಪ್ಎಸ್-೧೫೧೪, ಹೈದ್ರಿಡ್, ವರುಷ್, ಇಂಡಸ್ ರೆಡ್, ಇಂಡಸ್ ರೆಡ್, ಇಂಡಸ್-೧೨೦, ಇಂಡಸ್- ೧೨೦೧, ಇಂಡಸ್-೧೫೧೪, ಮಹೇಡ್ ಪಂ.೭	ಹೈಬ್ರಿಡ್. ರೇಣುಕಾ , ಇಂಡಸ್ –೧೧, ಇಂಡಸ್ –೧೧ (ಪೋಷ್ಟಿ ) , ಎಮ್ಎಎಮ್ – ೦೧	ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಇಂಪೀರಿಯಾ , ಮಹೇಶ್ (ನಂ.೭), ಮಹೇಶ್ ನಂ.೭												
ಅವಧಿ (ತೆರೆದ ಬಯಲು)	160-180ದಿನಗಳು	160-180ದಿನಗಳು	160-180ದಿನಗಳು	160-180ದಿನಗಳು	160-180ದಿನಗಳು					1							
ಅವಧಿ (ಸಂರಕ್ಷಿತ ಬೇಸಾಯ)	210-230 ದಿನಗಳು	210-230 ದಿನಗಳು	210-230 ದಿನಗಳು	210-230 ದಿನಗಳು	210-230 ದಿನಗಳು												
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು			ļ	<b></b>								
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು				<u> </u>	1							
ವಸಂತ	ಇಲ್ಲ	ಇಲ್ಲ	ಇಲ್ಲ	ಇಲ್ಲ	ಇಲ್ಲ					1							
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಕೊಳವೆ ಬಾವಿ	ಕೊಳವೆ ಬಾವಿ	ಕೊಳವೆ ಬಾವಿ , ಗಮನಿಸಿ: ಹಪಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು	ಕೊಳವೆ ಬಾವಿ ಪಕ್ಷ ಚಿನಿಸಿತ ಪಾಗಿಗಳುಕುನು	ಕೊಳವೆ ಬಾವಿ												
ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು		ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು	ango aquiques sauces													
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾ	ಮಾನ ವಲಯ	ದೊಣ್ಣೆ ಮೆಣಸಿನಕಾಯಿಗೆ ಒಣ ಮತ್ತು ಬಿಸಿ ವಾತಾವರಣ, ಜೊತೆಗೆ ಬೆಚ್ಚಿ/ ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲ	ಗಿನ ದಿನಗಳು ಹಾಗೂ ತಂಪಾದ ರ	ತ್ರಿಗಳು ಬೇಕಾಗುತ್ತವೆ. ಇದು ಹಿವ	ು ಮತ್ತು ಕಡಿ	ಮೆ ಉಷ್ಣಾ	,ಂಶವನ್ನು :	ತಡೆದುಕೊಳ -	l <sub>v</sub> ಲು							
2	ಭೂಮಿ. ಮಣ್ಣು		ಉತ್ತಮ ಒಳಚರಂಡಿ ಹೊಂದಿದ ಮರಳು ಲೋಮಿ ಮತ್ತು ಮೆಕ್ಕಲು ಮಣ್ಣುಗಳು. ಮಣ್ಣಿನ Ph 5.5 ರಿಂದ 6.5 ಸೂಕ್ತವಾಗಿರುತ್ತದೆ.														
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ		ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಜೂನ್-ಅಕ್ಟೋಬರ್, ಫೆಬ್ರವರಿ-ಏಪ್ರಿಲ್ ಅವಧಿಯಲಿ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ.	್ಲ. ಉತ್ತರ ಮತ್ತು ಪಶ್ಚಿಮ ಭಾ	ರತದಲ್ಲಿ ಜುಲೈ-ಆಗಸ್ಟ್, ಫೆಬ್ರವರಿ	)-ಮಾರ್ಚ್,	ಪೂರ್ವ ಭಾ	ರತದಲ್ಲಿ ಜ	ೂನ್-ಜುಲೆ	l <sub>u</sub>							
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ	ವಿಧಾನ.	ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ 120–150 ಗ್ರಾಂ, ಇದು ತಳಿಯನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿರುತ್ತದೆ. ಕ	ುರಿ ಮತ್ತು ಸಾಲುಗಾಲುವೆ ವಿಧಾನ	i.												
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು	ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	10 ಟನ್ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ ಅನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ ನಂತರ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆ ಬಿತ್ರನೆ ಕಾಲುವೆಗಳನ್ನು ರೂಪಿಸಿ ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳಲ್ಲಿ ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿ ಬಿತ್ತನೆಯ ಎರಡು ದಿನ ಮೊದಲು ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಪ್ರತಿ ಗುಂಡಿಗೆ ಎರಡು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಊರಿ, ಶೀಘ್ರ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಮೊಳಕ	ಸಿ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ವ ಕೆಗಾಗಿ ತಕ್ಷಣ ಹಗುರವಾಗಿ ನೀರು :													
6	ಅಂತರ		ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ (ಕಾಲುವೆ): 180-200 ಸೆಂ.ಮೀ.; ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ: 4														
8	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗ	ಬಿತ್ತನೆಗೆ ಮೊದಲು ನೀಡಬೇಕಾದ ಆರಂಭಿಕ ಪ್ರಮಾಣ: 30:50:50 ಕೆ.ಜಿ. NPK							ಬಿತ್ತನೆಯ 20−25 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮೊದಲ ಮೇಲುಗೊಬ್ಬರ; 50 ಕೆ.ಜಿ. N								
9	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ		ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಪ್ರತಿ 5–6 ದಿನಗಳ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಹಗುರ ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ನೀರು ಹಾಯಿಸುವುದು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಹೂಡಿದ ಹಣ್ಣಿನ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಬೇರಿನ ವಲಯದಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶವನ್ನು ವಿಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ														
10	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಅಂತರ ಬೇಸ	ಾಯ	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ	ರಹಿತವಾಗಿರಿಸಿ. ಬಿತ್ತಿದ 30 ದಿನ	ಗಳ ನಂತರ ಮಣ್ಣು ಏರಿಸುವುದು.	ಬಳ್ಳಿಯನ್ನು	ಹಬ್ಬಿಸುವು	ದು									
11	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವ	ನಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಫಲೋತ್ಪತ್ತಿಯನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಲು, ಹೂ ಬಿಡುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಕ್ಯಾಲ್ಸಿಯ	ಂ ನೈಟ್ರೇಟ್ (1% ದ್ರಾವಣ) ಸಿಂ	ಪಡಿಸಿ.												
12	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ		ಬೂದಿರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ಕ್ಲೋರೋಫಾಲೋನಿಲ್ 75% WP 1.0 ಪೌಸಿ ಶಿಲೇಂದ್ರ ರೂಗ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ಟಿಬಕೊಡೂರ್ನಲ್ 50%+ಟ್ಟಿಫ್ 75% WP 1.0 ಮಿಲೀ/ಲೀಟರ್ ಬಳು ಪ್ರಚೀರಿಯು ವಿಲ್ಯ್ ರೋಗ್ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ಕಾರ್ಬೆಂಡಾಡಮ್ (1 ಗ್ರಾರ್/ ಎಲ್ ಕೊರೆಯುವ ಕೀಟಿ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ಅಮಾಹಿ ನ್ 1.8% EC(0.5 ರಿ ಪ್ರಿಪ್ ಮತ್ತು ಎಲೆ ತಿಗಣೆ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ಪ್ಲೂಸಿಕಾಮಿಡ್ 50% WG( ಬಳು ಮೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟಿ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಪಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿ	್ಲೀಕ್ಕಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG ೀಟರ್ ನೀರು) ದ್ರಾವಣದಿಂದ ಮ ರದ 1 ಮಿ.ಲೀ./ಲೀಟರ್) ಸಿಂಪಡಿ 0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಫ್ರ	<u>ಣ್ಣನ್ನು ನೆನಸ್ಸಿ</u> ಸ್ತಿ _ಬೆಂಡಿಯಾಮ್ಮಡ್ 8,33%+ಡೆಲ	್ಯಾಮೆಥ್ರಿನ್			<u>5</u> మి.లిఁ	<u>/ಲೀಟರ್)</u>							
13	ಕೊಯ್ಲು		ಕಟಾವಿಗೆ ಸಿದ್ದವಾಗುವ ಹಣ್ಣುಗಳು - ಹಸಿರು ಬಣ್ಣದಲ್ಲಿ (90−95 ದಿನ	ಗಳು) ಬಣ್ಣ ಬಂದಿರುವುದು ಸುತ	ವಾರು 125–130 ದಿನಗಳು ನಲ್ಲಿ												
14	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ		ಉತ್ತಮವಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿದ ಬೆಳೆಯಿಂದ 10-15 ಟನ್ ಹಣ್ಣುಗಳ ಇಳುವರಿ														
17	ಶೇಖರಣೆ		ಪಿಚ್ಚರಿಕೆಯಿಂದ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ: ಸಣ್ಣ ಕಾಂಡದೊಂದಿಗೆ ಹಣ್ಣನ್ನು ಕತ್ತರಿಸಿ; ಎಳೆಯುವುದು/ಪರಿದು ಹಾಕುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ, ತಂಪಾದ ಬೆಳಗ್ಗೆ ಅಥವಾ ಸಂಜೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಕಟಾವು ಮಾಡಿ, ಪೂರ್ವ-ಶೀತಲೀಕರಣ : ಹೊಲದ ಉಷ್ಣಾಂಶವನ್ನು ಶೀಘ್ರವಾಗಿ ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಿ. ತಂಪಾದ ಕೋಣೆಯಲ್ಲಿದಿ, ಅಥವಾ ಲಭ್ಯವಿದ್ದರೆ ಒತ್ತಾಯಿತ ಗಾಳಿ ತಂಪಾಗಿಸುವಿಕೆಯನ್ನು ಬಳಸಿ, ಶೀಘ್ರವಾಗಿ 7– ತಲುಪುವ ಗುರಿ ಇಡಿ, ಪಿರ್ವಾಪಕರಣ : ಹೂಲದ ಉಷ್ಣಾಂಶವನ್ನು ಶೀಘ್ರವಾಗಿ ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಿ. ತಂಪಾದ ಕೋಣೆಯಲ್ಲಿದಿ, ಅಥವಾ ಲಭ್ಯವಿದ್ದರೆ ಒತ್ತಾಯಿತ ಗಾಳಿ ತಂಪಾಗಿಸುವಿಕೆಯನ್ನು ಬಳಸಿ, ಶೀಘ್ರವಾಗಿ 7– ತಲುಪುವ ಗುರಿ ಇಡಿ, ಪಿರ್ವಹಣೆ/ಶ್ರೇಣೀಕರಣ: ಪಾಳಾದ, ರೋಗಗ್ರಸ್ತವಾದ, ಅಥವಾ ಬಣ್ಣಗುಂದಿದ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ತಕ್ಷಣ ತೆಗೆದುಪಾಕಿ, ಗಾತ್ರ/ಗುಣಮಟ್ಟದ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ ಶ್ರೇಣೀಕರಿಸಿ, ಸಂಗ್ರಹಣಾ ಉಷ್ಣಾಂತ: 7–10-C(45–60-F) ಅನ್ನು ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಿ. ಶೀತ ಹಾನಿಯನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟಲು 7°C ಗಿಂತ ಕಡಿಮೆ ತಾಪಮಾನವನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ. ಸಾಪೇಕ್ಷ ಆರ್ಥತೆ (RH): ಸುಕ್ಕುಗಟ್ಟುವುದನ್ನು ತಡೆಯಲು 90–95% ರಷ್ಟು ಪೆಚ್ಚಿನ ಸಾಪೇಕ್ಷ ಆರ್ಥತೆಯನ್ನು ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಿ.														
18	ಮಾಡಬೇಡಿ		ಅತಿಯಾಗಿ ಅಥವಾ ಕಡಿಮ ನೀರು ಹಾಯಸಬೇಡಿ; ಎರಡೂ ಹಂತಗಳು ಬೇರು ಕೊಳ್ಳ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳ ಕೊರತ, ಅಥವಾ ಹೂವಿನ ತುವಿಯ ಕೊಳ ರೋಗಕ್ಕೆ ಕಾರಣವಾಗಬಹುದು. ನೀರು ನಿಲ್ಲುವ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ನಾಟಿ ಮಾಡಬೇದಿ; ಸರಿಯಾಗಿ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗದ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ದೊಣ್ಣೆ ಮಾನಿನಕಾಯಿಯು ಬೇರಿನ ರೋಗಗಳಿಗೆ ಹೆಚ್ಚು ತುತ್ತಾಗುತ್ತವೆ. ಕಟಾವು ಮಾಡಿದ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ನೇರ ಸೂರ್ಯನ ಬೆಳಕಿಗೆ ಒಡ್ಡಬೇಡಿ; ಇದು ಶೀಘ್ರವಾಗಿ ಬಾಡಿಹೋಗಲು ಮತ್ತು ಸುಟ್ಟಿಗಾಯಗಳಿಗೆ ಕಾರಣವಾಗುತ್ತದೆ. ಕಟಾವು ಮಾಡುವಾಗ ಅಜಾಗರೂಕರಾಗಬೇಡಿ: ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಎಳದು ಕಿತ್ತು ಹಾಕುವುದರಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ ಹಾನಿಯಾಗುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಪಣ್ಣಿನ ಮೇಲೆ ಗಾಯಗಳಾಗಿ, ಅದು ಬೇಗ ಹಾಳಾಗಲು ಕಾರಣವಾಗುತ														
19	ಮಾಡಬೇಕಾದವು		ಸಮಗ್ರ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿರ್ವಹಣೆ (IPM) ಮಾಡಿ: ನಿಯಮಿತವಾಗಿ ಪ ಕೀಟನಾಶಕ/ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕಗಳನ್ನು ವಿವೇಚನೆಯಿಂದ ಬಳಸಿ,						ಯನಿಕ								
			ನಿರಂತರವಾಗಿ ಕಾಯಿ ಬಿಡುವುದನ್ನು ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಿಸಲು ಮತ್ತು ಗುಣಮಟ್ಟ	ಎನ್ನು ಕಾಪಾಡಕೂಳ್ಳಲು ಹಣ್ಣು	್ಷಗಳು ಸಿಲಯಾದಿ ಪಕ್ವತಯ ಹಂತನ	ಎಲ್ಲದ್ದಾಗ	ಕಟಾವುಮ	ಪಡಿ.									
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ	್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬ	ುಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ	, ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ													
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು			ಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲ	ಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ	ರಸಗೊಬ್ಬ	ಶಗಳು ಮತ್ಯ	್ತ ಕೀಟನಾಶ	ಕಗಳನ್ನು ತ	<u>ಮಾತ್ರ</u>							





కుహాంక్షలు! క్రిస్తల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన కాప్పికం విత్తనాల్లో ఒకరావిని మీరు ఎందుకువాడు. ఉత్తమ నాణ్యత కలిగిన కాప్పికం విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్తల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ ఇం(దిజిత్ , SPS - | రేణుక , ఇంపీరియా రెడ్ , SPS -యెల్ల్ , SPS -1514, ఎరుణ్ , ఇండస్ రెడ్ , ఇండస్ - (పాప్పి), యెల్ల్ల్ , 515-1504, ఇండస్ యెల్ల్ల్ , ఇండస్-1504, ఇండస్ -1201 ఇండస్-1514 120. ఇండస్ వరుణ్ 1201, ఇండస్-1514 కాల పరిమితి (ఓపెన్ పొలము) 160-180 DAS 160-180 DAS 160-180 DAS 160-180 DAS 160-180 DAS కాల పరిమితి (రక్షిత కల్టివేషన్) 210-230 DAS 210-230 DAS 210-230 DAS 210-230 DAS 210-230 DAS ఖరీఫ్ రబీ అవును అవును అవును అవును అవును అవును అవును అవును లేదు/కాదు గొల్లపు బావి (ట్యూబ్ వెల్) లేదు/కాదు గొల్లపు బావి లేదు/కాదు గెల్లపు బావి సంత కాలము . పీటి పారుదలు వనరు (ట్రాబ్ల్ వైల్) (ఉన్నాల్స్ వైల్స్) దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు <u>క్ర. సం</u> ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్ పాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్ వెచ్చని పగళ్ళు మరియు చల్లని రాత్రులు కలిగిన పొడిగా వుండే వేడి వాతావరణము కాప్సికంకి అవసరము. ఇది మంచుని మరియు తక్కువ ఉష్ణోగతలను తట్టుకోలేదు rrr నీరు ఇంకే ఇసుక లోమీ మరియు ఒం(డు మట్టి నేలలు. మట్టి Ph 5.5 నుంచి 6.5 మధ్య అనుకూలము. దక్షిణ భారతదేశములో జూన్-అక్టోబర్, ఫి[బవరి-ఎ[ఫిల్. ఉత్తర మరియు పడమర భారతదేశములో జాలై-ఆగస్ట్, ఫి[బవరి-మార్చి, తూర్పు భారతదేశములో జూన్-జాలైలో. కాలము. విత్తే/నాటే సమయము విత్తనము రేట్. విత్తే/నాటే పధ్ధతి. నాటే కాలువల్లో ఫర్టిలైజర్ల బేసల్ డోస్ అప్లై చేయండి మరియు ఫర్టిలైజరుని కవర్ చేయండి విత్తడానికి రెండు రోజుల ముందు పొలముకి నీటిని పెట్టండి. గుంటకి రెండు విత్తనాలు పెట్టండి, త్వరగా మరియు మెరుగుగా మొలకెత్తడము కోసం వెంటనే తేలికగా నీటిని పెట్టండి ఖాళీ ఇవ్వడము రో నుంచి రో (కాలువ) 180-200cm; మొక్క నుంచి మొక్క: 45cm విత్తనాలను ఇమిడాక్లో (పిడ్ (2 ml/కిలో) తో శుద్ది చేయండి నితే ముందు నిత్తనముని శుధి చేయడము ివితే ముందు బేసల్ డోస్: 30:50:50 కిలోల NPK ఎరువులు మరియు ఫర్జిలెజర్స్ ివిత్తిన తరవాత 20-25 రోజులకి మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్: 50 కిలోల N ాత్వం, అంవాత 41-20 రజాలక ముదిది టాప్ (డెస్స్ఎంగ్: 50 కలోల N 'మొదటి టాప్ (డెస్స్ఎంగ్ తరవాత 20-25 రజాల తరవాత రెండవ టాప్ (డెస్స్ఎంగ్: 20 కిలోల N మెట్లి రకముని బట్టి పాలముకో నీటేని పెళ్లుండి. 5-6 రోజుల వ్యవధిలో తెలిక మరియు తరచూ నీటిని పెళ్లమని సూచించడము జరిగినది పళ్ళకి పూలు వచ్చే రశలో మొక్కల వేళ్ళ దగ్గర సరిపడిన తేమ వృందేలా ధృవికరించుకోండి చెతితో కలుపు మొక్కలను దెండు దస్తాలుగా తెల్లగించాలి. హైట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా వుంచండి. నాటిన తరవాత 30 రోజులకి మొక్కల మొదలులోని మట్టిని ఎత్తు చేయండి తీగలకి దారి చూబించండి హైత సమయములో పళ్ళు ఎర్పడడము పొంచడానికి కాల్గియం స్టైటేటీ (1% ద్రావకము) పేచికారి చేయండి. నీటి పారుదల షెడ్యూల్ · నీటిని పెట్టమని సూచించడము జరిగినది. కలుపు మోక్కలు తీయడము/అంతర్గత కల్టివేషన్ సూక్షప్రిపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ [స్పేలు 11 <u>బూడిద తెగులు: క్లోరోథాలోనిల్ 75% WP 1.0 ml/లీటరు</u> చీడ మరియు తెగులు కం[టోల్ డౌనీ బూజు తెగులు: కెుబుకొనజోల్ 50% + !టిఫోక్స్ ఫోబీన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 to 1 jrrములు) కోరోదాలోనిల్ 75% WP 1.0 ml/లీటరు హ్యాజారియమ్ ఎండు తెగులు: కార్బెండాజిమ్ (1 గ్రామ్కలిటరు నీటికి) తో మట్టిని (డెంచ్ చేయండి. పాము పొడ తెగులు: అబామెక్టిన్ 1.8% EC (0.5 to 1 ml/లీటరు) <u>తామర పురుగులు మరియు పేను బంక: ఫోనికామిడ్ 50 % WG (0.5 గ్రాములు/లీటరు) లేదా ఫ్లాబెన్షియామైడ్ 8.33 % + డెల్లామె(థిన్ 5.56 %</u> w/w SC (0.5 ml/ව්టరు) <u>పొలములో తెగులు & చీడల కం(బోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు. దయచేసి మీ ఫానిక వ్యవసాయ ఆపీసరను సంప్రదించండి.</u> పళ్ళు కొతకి సిధ్ధము - ఆకుపచ్చు రంగువి (90-95 DAS) ఇంచుమించు 125-130 DAS\$. ఆశించే దిగుబడి బాగా మేనేజ్ చేసిన పంటకి 10-15 టన్సుల పళ్ళు వ 14 జాగ్ మెంబ్ జానిని బెందిక గాని దెన్నుల్లో పాళ్ళు మెక్ట్ యె జాగ్రత్తిగా కొత చెయండి: పళ్ళను చిన్న కొమ్మ వుంచి కటి చెయండి; లాగడము/చింపడముని నివారించండి. చల్లని ఉదయము, సాయం[తము వేళ్ళల్లో కోత పని చేయండి. (పీ-కూలింగ్: వేగముగా పొలములోని వేడిని తీసివేయండి. చల్లని గదిలో వుంచండి లేదా లభ్యతలో వుంటే ఫోర్స్ చేసిన-గాలి కూలింగ్ ∍పయోగించండి, త్వరగా 7-10°C చేరేలా టార్గెట్ పెట్టుకోండి వేరు చేయడము/(గేడ్ చేయడము: పాడయిన, తెగులు కలిగిన లేదా రంగు మారిన పళ్ళను వెంటనే తొలగించండి. సైజు/నాణ్యతను బట్టీ గేడ్ చేయండి. హోలేజ్ ఉళ్ళోగత: 7-10°C (45-50°F) మెయింటేన్ చేయండి. పళ్ళకి చలి కొట్లకుండా 7°C కన్నా (కింద ఉళ్ళోగతలను నివారించండి. రిలేటివ్ తేమ (ఆర్వెచ్ (RH)): పళ్ళు ముడుచుకుపోకుండా RH ని 90-95% అధికముగా మెయింటేన్ చేయండి. చేయకూడనివి ంధికముగా నీరు/తక్కువగా-నీరు పెట్టకండి: రెండు అతి స్థితులు కూడా వేరు కుళ్ళు, పోషకాల లోపము, లేదా ఏర్పడే పరిస్థితులను కలుగుజేసాయి. వర్కడ ఎర్వజలకాలు కలుగుడ్డాలు నీరు నిలువ వుందే ప్రాంతాబల్లో నాటకండి: నీరు బాగా ఇంకని మట్టి నేలల్లో కాప్సికం వేస్తే వేళ్ళ తెగుళ్ళు అధికముగా ఏర్పడతాయి. కోత కోసిన పళ్ళను నేరుగా సూర్యరశ్మికి ఎక్స్పోజ్ చేయకండి: ఇది వేగముగా వడిలిపోవడము మరియు సూర్యరశ్మి వల్ల దెబ్బతినడము వరిగుతుంది. సరికాని విధానాల్లో కోత చేయకండి: పళ్ళను మొక్కల నుంచి లాగివేస్తే అవి పాడవుతాయి మరియు వాటికి దెబ్బలు తగులుతాయి, ఇది అవి చేయవలసినవి 19 బయోలాజికల్ కం[టోల్ ఉపయోగించండి, రసాయన పురుగు మందులు/శిలీం[ధనాశనులు జాగ్రత్తగా అప్లై చేయండి. కంటినుడసా పళ్ళు ఏర్పడము మరియు నాణ్యతను మెయింటిన్ చేయడానికి సరిగా పక్కముకి వచ్చిన దశలో కోత చేయండి పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే, ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన (ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేస్ మీ రాష్ట్ర ఫ్రానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించంద ప్రాలం ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన (ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్లో, మీ స్థానికి వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము నాణ్యత కలిగిన ఫర్జిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్జిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వధ్ద వుంచుకోండి. జాగ్రత్తలు





### ক্যাপসিকাম চাষেব নিয়মাবলি

অভিনন্দনা আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উংকৃষ্ট ক্যাপসিকামের বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের ক্যাপসিকাম বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরবাগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনদীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিন্দিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের ক্যাপসিকাম বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনদীলতা সহ উংকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।

অনুগ্ৰহ করে চমকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড ক্যাপসিকাম	সীএপী-১২০১, হাইব্রিড. ইংদ্রজীত, ইংডস-১২০১	হাইব্রিড. অর্জুন, হাইব্রিড. এসপীএস যেলো, হাইব্রিড. এসপীএস-১৫০৪, ইংডস যেলো, ইংডস- ১৫০৪, ইংডস-১৫১৪, ভরুগ	হাইব্রিড. ইংদ্রজীত, হাইব্রিড. এসপীএস রেড, হাইব্রিড. এসপীএস যেলো, হাইব্রিড. এসপীএস-১৫১৪, হাইব্রিড. ভরুণ, ইংডস রেড, ইংডস- রেড, ইংডস-১২০, ইংডস- ১২০১, ইংডস-১৫১৪, মহেশ নং.7	হাইব্রিড. রেণুকা, ইংডস- ১১, ইংডস-১১ (শোপটী), এমএএম-০১	হাইব্রিড. ইম্পীরিষা, মহেশ (নং.৭), মহেশ নং.৭											
সময়কাল (খোলা মাঠ)	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS											
সময়কাল (সুরক্ষিত চাষ)	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	l	l									
খরিফ	হাাঁ	হাাঁ	হাাঁ	হাাঁ	হাাঁ											
রবি	হাঁ	হ্যাঁ	হাঁ	হাাঁ	হাাঁ	ļ	ļ									
বসন্ত সেচের উংস	না নলকুপ	না নলকুপ	না নলকুপ	না নলকুপ	না নলকৃপ	<b> </b>	<b> </b>									
COLON COL	44154.1		। ।খবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি			। গ আসার	্ব সময় <b>ি</b>	ভন্ন হতে	পারে							
ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপানে	রশন/ পদ্ধতি	<u> </u>	<u> </u>	প্রতি একর ইনপু	টে অপা	রেশনের	বিশদ								
1	এলাকার উপযোগি	তা/কৃষি-জলবায়ু জোন			ক্যাপসিকামের গর তাপমাত্রা সহ্য কর			রাত সহ	শুষ্ক গরম	৷ আবহাও	য়া প্রয়োজন। এটি তুষারপাত এবং নিম্ন					
2	জমি। মাটি										5 থেকে 6.5 Ph আদর্শ।					
3	ঋতু। বপন/রোপণে বীজের হার। বপন/				দক্ষিণ ভারতে জুন-অক্টোবর, ফেব্রুয়ারি-এপ্রিল। উন্তর এবং পশ্চিম ভারতে জুলাই-আগষ্ট, ফেব্রুয়ারি- 120-150গ্রাম/একর, জাতের উপর নির্ভরশীল। রিজ এবং ফুরো পদ্ধতি।											
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তৃতি				120-150আম/একর, জাতের ওপর দিওরশাল। বিজ্ঞ এবং ফুরো পদ্ধাত। মার্টিতে মেশানোর জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগের পর হ্যারোয়িং করুন।											
6	ফাঁক	- GACCALLI			সারি থেকে সারি (নালা) 180-200সেন্টিমিটার; উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 45সেন্টিমিটার											
7	বপনের আগে বীডে	জর পরিচর্যা			সারে খেকে সারে (নালা) 180-200সোন্টামটার; ডাঙ্গদ খেকে ডাঙ্গদ: 45সোন্টামটার ইমিডাক্লোপ্রিড দিয়ে বীজ শোধন করা হয় (2 মিলিলিটার/কেজি)											
8	জৈব এবং রাসায়নি	কি সার			* বপনের 20-25 দি * প্রথম শীর্ষের 20-											
9	সেচের সময়সূচী				করা হয়। মূল জো	নে পর্যাপ্ত	আর্দ্রতা :	নিশ্চিত ব	ক্রন বিশে	ণষ করে য	নকা এবং ঘন ঘন সেচ দেওয়া সুপারিশ ফুল ফোটা এবং ফল ধরার সময়					
10	আগাছা নিবারণ/ ম	াধ্যশস্য পরিচর্যা			দুই হাত দিয়ে আগাছা নিবারণ করা প্রয়োজন। প্লটগুলি আগাছামুক্ত রাখুন। বপনের 30 দিন পরে আর্থিং আপ করুন। ভাইন গাইডিং											
11	ক্ষুদ্রপৃষ্টি/বিকাশ নি	য়ন্ত্ৰক ছিটান			ফল ধরানোর হার বৃদ্ধি করতে ফুলের সময় ক্যালসিয়াম নাইট্রেট (1% সালউশন) ছিটানো উচিং।											
12	কীট এবং রোগ নিঃ	<u>ঘূৰ</u> ণ		ক্রোরোথালোনিল 7.5% WP 1.0 মিলিলিটার/লিটার ফুসারিয়াম উইন্ট: মাটিতে কারবেনডান্ত্রিম (এগ্রামালিটার জল) ঢেলে ড্রেঞ্চ করুন। লিফ মাইনার: আবামেরিন 1.8% EC (0.5 থেকে 1 মিলিলিটার/লিটার) প্রিপস এবং এফিডেস: ড্রোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রামালিটার) অথবা ফলুবেনডিয়ামাইড ৪.33 % + ডেন্টামেয়িন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) ক্ষেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য, অনুগ্রহ করে আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারদের সঙ্গে পরামর্শ করুন।												
13	ফসল কাটা				ফসল কাটার জন্য ফল প্রস্তুত - সবুজ (90-95DAS) রওঁ ধরা অবস্থায় প্রায় 125-130 DAS।											
14	প্রত্যাশিত ফলন				সুশৃঙ্খুলভাবে পরিচালিত ফসল থেকে 10-15 t ফল পাওয়া যায়											
17	সংরক্ষণ				সাবধানে ফসল কাটা: ফলটি ছোট ডালের সঙ্গে কেটে তুলুন; টেনে/ছিড়ে তুলবেন না। ঠান্ডা সকল/সন্ধ্যায় ফসল কাটা উচিং। পূর্ব-ঠাগুকরণ: মাঠের তাপ দ্ধত কমানো। ঠান্ডা ঘরে রাখুন, অথবা যদি সম্ভব হয় জোরপূর্বক বাতাসের মাধ্যমে ঠাগু করুন, লক্ষা করে হৃত 7-10°C পৌছিলো। বাছাই/শ্রেণীবিন্যাস: তাংক্ষণিকভাবে ক্ষতিগ্রন্ত, রোগক্রোন্ত অথবা রও পরিবর্তিত ফল সরিয়ে দিন। আকারগ্রেণমান অনুযাষী শ্রেণীবিন্যাস করা। সংরক্ষণের তাপমাত্রো: 7-10°C (45-50°F) বজায় রাখুন। ঠাগু। আঘাত এড়াতে 7°C -এর নিচে রাখা এড়ান। আপেক্ষিক আর্দ্রতা (RH): শিললতা এড়াতে 90-95% উচ্চ RH বজায় রাখুন।											
18	করবেন না			অতিরিক্ত/অপর্যাপ্ত সেচ এড়ান: উভয়ই মূল পচা, পুষ্টি ঘাটতি অথবা ফুলের শেষের পচা সৃষ্টি করতে পারে। জলাবন্ধ এলাকায় লাগাবেন না: ক্যাপসিকাম দারুণভাবে মূলের রোগে সংবেদনশীল, বিশেষ করে ভালোভাবে নিক্ষশন না হওয়া মাটিতে। ফসল কাটার পর ফল সরাসরি সূর্যের আলোতে রাখবেন না: এতে হৃত শুকিয়ে যাওয়া এবং সানবার্ন হয় ভুলভাবে ফসল কাটা এড়ান: ফল ছিড়ে তোলার ফলে উদ্ভিদ ক্ষতিগ্রস্ত হয় এবং ফলের উপর ক্ষত সৃষ্টি হয়, যা পচনের কারণ হতে পারে।												
19	করবেন				করুন, জৈব নিয়ন্ত্র	ণ প্রয়োগ	করুন, এ	এবং রাসাং	য়নিক কী	টনাশক/ছ	ক্ষণ করুন, প্রতিরোধী জাত ব্যবহার হ্রোকনাশক সাবধানে ব্যবহার করুন। এবং গুণমান বজায় থাকে।					
দ্রষ্টব্য	উপবেব তথাটি এন	চ্চটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট	এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের ড	জন্য আনুগ্রহ করে:	" সানীয় বাজে ক্রমি দুং	মবের সম্	ন্ত্ৰ হোগাত	যাগ কক	ন।							
43										max -	I BADIS I TIME A A TOTAL AND TOTAL A					
সতর্কতা			দ্বারা প্রভাবিত ইতে পারে। অতএব, হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক			থাকসার <u>ে</u>	র সঙ্গে (	থাগা(যাগ	করা সুপ	⊞র•া কর	া হচেহ। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র					





## কেপচিকাম অনুশীলনৰ পেকেজ

অভিনন্দন! আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ এটা উৎকৃষ্ট কেপচিকামৰ বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ কেপচিকাম বীজ উৎপাদনত ক্ৰিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ কেপচিকামৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অঙ্কুৰিতকৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে।

অনুগ্ৰহ কৰি উংকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উংকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

	সীএপী-১২০১, হাইব্রিড.	হাইব্রিড. অর্জুন, হাইব্রিড. এসপীএস যেলো, হাইব্রিড.	হাইব্ৰিড. এসপীএস ৰেড,	হাইব্রিড.															
হাইব্রিড কেপচিকাম	ইংদ্রজীত, হাইব্রিড. ইংদ্রজীত, ইংডস-১২০১, ইংডস-১২০১, ইংডস-১২০১	বেলা, বাবাব্রও, এসপীএস যেলো, হাইব্রিড, এসপীএস- ১৫০৪, ইংডস যেলো, ইংডস-১৫০৪, ইংডস- ১৫১৪, ইংডস-১৫১৪, ভৰুণ	হাইব্রিড. এসপীএস-১৫১৪, হাইব্রিড. এসপীএস-১৫১৪, হাইব্রিড. ভৰুণ, ইংডস ৰেড, ইংডস ৰেড, ইংডস ৰেড, ইংডস-১২০, মহেশ নং.7	ৰেণুকা, ইংডস- ১১, ইংডস-১১ (শোপটী), এমএএম-০১, এমএএম-০১	হাইব্রিড. ইম্পীবিয়া, মহেশ (নং.৭), মহেশ নং.৭														
সময়সীমা (খোলা ক্ষেত্র)	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS														
সময়সীমা (সুৰক্ষিত খেতি)	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS														
খাৰিফ ৰাবি	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়														
ৰা৷ব বসন্ত	হয় নহয়	হয় নহয়	হয় নহয়	হয় নহয়	হয় নহয়														
জলসিঞ্চনৰ উংস	নলাৰ কুঁৱা	নলাৰ কুঁৱা	নলাৰ কুঁৱা	নলাৰ কুঁৱা	নলাৰ কুঁৱা														
	1 2		্বুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অ			্টন্ন হ'ব পাৰে।													
ক্ৰমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কার্য্য্য/	অনুশীলন	কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপ	<b>ু</b> ট															
1	অঞ্চলটোৰ উপযে	াগীতা/কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	কেপচিকামৰ বাবে গৰম দিন আৰ	ৰু ঠাণ্ডা ৰাতিৰ সৈতে	শুকান গৰম জলবা	য়ুৰ প্ৰয়োজন। ই ঠাণ্ডা আৰু নিম্ন তাপমাত্ৰা সহ্য কৰিব নোৱাৰে													
2	ভূমি মাটি		ভালদৰে খালী বালিৰ মাটি আৰু ড	জুলাশয়ৰ মাটি। মাটি <sup>,</sup>	ৰ ph 5.5ৰ পৰা 6.5 খ	আদর্শ।													
3	খতু বীজ সিঁচাৰ/প	ালাবাৰ সময়			•	-মাৰ্চ উন্তৰ আৰু পশ্চিম ভাৰতত, জুন-জুলাই পূব ভাৰতত।													
4		সঁচা/পলোৱা পদ্ধতি	জাতৰ গুপৰত নিৰ্ভৰ কৰি 120-15			THE COLUMN THE CHACO, OF TOTAL STADISHOOL													
5	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি	্ আৰু ৰোপণ		ৰিমাণৰ সাৰ প্ৰয়োগ ব খন জলসিঞ্চন কৰব দিয়ক, দ্ৰুত আৰু ভান	মিশ্ৰিত কৰিবলৈ হৰভিং কৰক। কৰক আৰু সাৰক ঢাকি ৰাখক														
6	ব্যৱধান		শাৰীৰে শাৰীলৈ (কেনেল) 180-20			៖মিঃ													
7	বীজ সিঁচাৰ আগতে	সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ বীজক ইমিডাক্লপ্ৰিড (2 মিলি/কেজি)ৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।																	
8	সাৰ আৰু সাৰুৱা '	পদার্থ	* বীজ পিঁচাৰ আগতে প্ৰাথমিক পালি : 30: 50: 50 কেজি NPK * বীজ পিঁচাৰ 20-25 দিনৰ পিছত প্ৰথম শীৰ্ষ কাপোৰ: 50 কেজি N * প্ৰথম টোপৰ পিছত 20-25 দিনত দ্বিতীয়টো টোপ পেকেজিং: 20 কেজি N																
9	জলসিঞ্চনৰ সময়	সূচী	মাৰ্টিৰ প্ৰকাৰৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি ফলৰ সময়ত মূল অঞ্চলত পৰ্যাপ্ত			ব্যৱধানত এবাৰ হালধীয়া আৰু সঘনাই জলসিঞ্চনৰ পৰামৰ্শ দিয়া হয়। বিশেষভাৱে ফুল													
10	অপতৃণ/ আন্তঃখে	তি	দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। খোঁ	তিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিই	ীন কৰি ৰাখক। বীজ	সিঁচাৰ 30 দিন পিছত মাটিত তুলি লোৱা। ভিন গাইডিং													
11	ক্ষুদ্র পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়	ান্ত্রক স্প্রে	ফুল ফুলাৰ সময়ত কেলচিয়াম না	ইট্ৰেট (1% দ্ৰৱ) স্প্ৰে	কৰি ফল বৃদ্ধি কৰিব	व नार्रि।													
12	কীট-পতংগ আৰু	ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	ফুচেৰিয়াম উইন্ট: মাটিত কাৰ্বেণ্ড পাতৰ খনি: এবামেক্ট্বিন 1.8% EC থ্ৰিপছ আৰু এফিড: ফ্লনিকমিড 5	% + ট্রাইফুক্সিষ্ট্র'বিন গজিম (1গ্রাম/লিটাৰ : (0.5 ৰ পৰা 1 মিলি/ 60 % WG (0.5 গ্রাম/	25% WG (1 লিটাৰও পানী) তিয়াই লওক। লিটাৰ) লিটাৰ) বা ফ্লুবেনডি	চ 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) ক্ল'ৰ'খালনিল 75% WP 1.0 মিলি/লিটাৰত ন্য়ামাইড 8.33 %+ ডেলটামোগ্ৰিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।													
13	শস্য চপোৱা		শস্য চপোৱাৰ বাবে প্ৰস্তুত ফল- ে	সাটেজীয়া (০০.০১০.১	১) ৰাই পাস 125,130	DASI													
14	প্রত্যাশিত উৎপাদ	<b>1</b>			o, 10 GIA 120-100	2.0.													
17	সংৰক্ষণ	,	কঠীয়া ভালদৰে চপোৱা: ফলৰ চু প্ৰি-কুলিং: ক্ষেত্ৰৰ তাপ দ্ৰুতভাৱে কৰক। শ্ৰেণীবিভাজন/শ্ৰেণীবদ্ধকৰণ: ক্ষ সংৰক্ষণৰ তাপমাত্ৰা: 7-10°C (4ং	তাপ দ্ৰুতভাৱে আঁতৰাওক। এটা শীতল কোঠাত খঙক, বা যদি উপলব্ধ হয় তেন্তে 7-10°Cৰ লক্ষ্যত দ্ৰুততাৰে জোৰকৈ শীতল কৰা ব্যৱহাৰ ণীবদ্ধকৰণ: ক্ষতিগ্ৰস্ত, ৰোগগ্ৰস্ত বা ৰং সলনি হোৱা ফলসমূহ তংক্ষণাং আঁতৰাই পেলাব লাগে। আকাৰ/মান অনুসৰি গ্ৰেড ব্ৰা: 7-10°C (45-50°F) ৰ ভিতৰত ৰাখিব। ৰ'দত আঘাত হ'বলৈ 7°C তকৈ কম তাপমাত্ৰোত ৰাখিব নালাগে।									কঠীয়া ভালদৰে চপোৱা: ফলৰ চুটি ডাল সংলগ্ন কৰি কাটি লওক; টান/আঁকা এৰাই চলক। শীতল ৰাতিপুৱা/সন্ধ্যা সময়ত শস্য চপোৱা। প্ৰি-কুলিং: ক্ষেত্ৰৰ তাপ দ্ৰুতভাৱে আঁতৰাওক। এটা শীতল কোঠাত খওক, বা যদি উপলব্ধ হয় তেন্তে 7-10°Cৰ লক্ষ্যত দ্ৰুততাৰে জোৰকৈ শীতল কৰা ব্যৱহাৰ						
18	নকৰিবা		জলমগ্ন এলেকাত ৰোপণ নকৰিব শস্য চপোৱা ফলক প্ৰত্যক্ষ সূৰ্যৰ	নিদিব: দুয়োটা চৰমৰ ফলত শিপা পচিব পাৰে, পুষ্টিকৰ উপাদানৰ অভাৱ হ'ব পাৰে, বা ফুলৰ শেষত পচি যাব পাৰে। ৰব: দুৰ্বল জলমগ্ন মাটিত কেপচিকামৰ মূলৰ ৰোগৰ প্ৰৱণতা বেছি। ৰ্যৰ পোহৰত পেলাব নালাগে: ইয়াৰ ফলত ফলবোৰ দ্ৰুতগতিত শুকাই যায় আৰু সুৰ্যৰ পোহৰত দগ্ধ হয়। ফাবোৰ ছিঙি পেলালে গছজোপাৰ ক্ষতি হয় আৰু ফলবোৰত আঘাতৰ সৃষ্টি হয়, যাৰ ফলত ফলবোৰ নষ্ট হয়।															
19	কৰিবা		কীটনাশক/ফংগাইছাইড বিচক্ষণত	ক, প্ৰতিৰোধী জাত ব্যৱহাৰ কৰক, জৈৱিক নিয়ন্ত্ৰণ কৰক, আৰু ৰাসায়নিক															

নিৰন্তৰ ফলন আৰু গুণগত মান বজাই ৰাখিবলৈ উপযুক্ত পৰিপক্কতা পৰ্যায়ত ফল সংগ্ৰহ কৰক।

টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উংপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।





କ୍ୟାପଣକ୍ଷ୍ୱାଲ ପରିବାରରୁ ଏକୁଠାରୁ ଉଲ କ୍ୟାପସିବମ୍ ବିବନ ମଧ୍ୟର ଗୋଟିଏ ବାଲିଛି। ବ୍ରିଷ୍ଠାଲରୁ ଉହମାନର କ୍ୟାପସିବମ୍ ବିବନ ପର୍ବାଦନ ବର୍ତ୍ତିକରେ ବୃହ ଅଭିକାଶ ଅଛି। ଏହି ବିବନସ୍ଥିତିକ କ୍ୟୋପସିକମ୍ ବିଜନ ପର୍ବାହନ କ୍ୟାପସିକମ୍ ବିଜନ ପ୍ରଥମ କରେ ଅମନ୍ତମ୍ଭ ପାଇଁ କ୍ଷିତ୍ତିକ କ୍ଷିତ୍ତିକ କ୍ଷାପ୍ତର ଉହ୍ୟାକ୍ତିକ ଅନୁଧାନରଣ ଏବଂ ଉଜନ୍ୟ କରେ । ବ୍ରିଷ୍ଠାଲର କ୍ୟାପସିକମ୍ ବିଜନ ପର୍ବାହ ଅନୁଧାନରଣ ଏବଂ ଉଜନ୍ୟ ଅନୁଧାନରଣ ଏବଂ ଉଜନ୍ୟ ଅନୁଧାନରଣ ଏବଂ ଉଜନ୍ୟ ଅନୁଧାନରଣ ଏବଂ ଉଜନ୍ୟ ଅନୁଧାନରଣ ଏବଂ

ଶକ୍ତ ପ୍ରଦାନ କରେ। ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା		,	ତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି Hyb. ଇନ୍ତ୍ରଜିତ, Hyb. SPS ରେଡ୍,	ଃ, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପଭି ବ	ନବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶକ୍	୍ଡିକୁ ପଢ଼ି ହେ	ନବାକୁ ଆଟେ	। ଆପଣକୁ ଅ	ାନୁରୋଧ କ	ନିଛି।	<u> </u>					
କ୍ୟାପସିକମ୍ ହାଇବ୍ରିତ୍	CAP-1201, Hyb. ଇନ୍ଦ୍ରଜିତ, ଇଣ୍ଡସ୍_1201, ଇଣ୍ଡସ୍- 1201	Hyb. ଅର୍ଜୁନ, Hyb. SPS ୟେଲୋ, Hyb. SPS-1504, ଇଣ୍ଡସ୍ ୟେଲୋ, ଇଣ୍ଡସ୍-1504, ଇଣ୍ଡସ୍-1514, ବରୁଣ	Hyb. SPS ୟେଲୋ, Hyb. SPS- 1514, Hyb. ବରୁଣ, ଇଣ୍ଡସ୍ ରେଡ, ଇଣ୍ଡସ୍ ରେଡ , ଇଣ୍ଡସ୍-120, ଇଣ୍ଡସ୍- 1201, ଇଣ୍ଡସ୍-1514, ମହେଶ No.7_	Hyb. ରେଣୁକା, ଇଣ୍ଡସ୍-11, ଇଣ୍ଡସ୍-11 (ପୋସ୍ଟି), MAM-01	Hyb. ଇମ୍ପେରିଆ, ମହେଶ (No.7), ମହେଶ No.7											
ଅବଧି (ଖୋଲା କ୍ଷେତ୍ର)	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS											
ଅବଧ୍ (ସୂରକ୍ଷିତ ଚାଷ)	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS											
ଖରିପ	ହ	ହ	ହ	ହ	ହଁ											
ରବି	ହ୍	ହ	ହି	ହ	ହ				ļ							
ବସନ୍ତ ଜଳସେଚନର ଭସ	ନା ନଳକୃପ	ନା ନଳକୃପ	ନା ନଳକୃପ	ନା ନଳକୃପ	ନା ନଳକୃପ	<b></b>		ļ	ļ							
amodono 649	มแข้ด	i iii qu	ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ			। ଭିଟ ହୋଇ	ପାରେ ।	l.	l.							
କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ	୍ୟାସ			କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି											
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେ				- 0			, ଯେଉଁଠି ଦି	ନ ଗରମ ଏ	ବଂ ରାତି ଥ	ଣ୍ଡା ଥିବ। ଏହା ତୁଷାରପାତ ଏବଂ କମ୍ ତାପମାତ୍ରା ସହ୍ୟ					
2	ଭୂମି। ମାଟି				ଭଲ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ହେଉ											
3	ରତୁ ବୁଣିବା/ରୋପଣ ସହ				ଦିଷିଣ ଭାରତରେ ଜୁନ୍-ଅକ୍ଟୋବର, ଫେନୃଆରୀ-ଏସ୍ଥିଲ । ଉତ୍ତର ଏବଂ ପଶ୍ଚିମ ଭାରତରେ ଜୁଲାଇ-ଅଗଷ୍ଟ, ଫେନୃଆରୀ-ମାର୍ଚ୍ଚ, ପୂର୍ବ ଭାରତରେ । ଜୁଲାଇ ।											
4	ବିହନ ହାର ବୁଣିବା/ରୋ	ପଣ ପଦ୍ଧତ			ପ୍ରଜାତିର ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି ଏକର ପ୍ରତି 120-150 ଗ୍ରାମ ।  ରିଜ୍ ଏବଂ ଫରୋ (ପଇ ଓ ନାଳି) ପଦ୍ଧତି ।											
5	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରହୃତି ଏବଂ	ରୋପଣ			10 ଟନ୍ ପଚିଯାଇଥିବା ଏହି * ବିହନ କେନାଲ ତିଆରି * ବିହନ କେନାଲରେ ସାହ * ବୁଣିବାର ଦୁଇ ଦିନ ପୂର୍ବ * ପ୍ରତି ପାହାଡ଼ରେ ଦୁଇଟି	କରନ୍ତୁ ରର ମୂଳ ମାତ୍ର ରୁ କ୍ଷେତକୁ ଜ ବିହନ ବୁଣାନ୍ତୁ	ା ପ୍ରୟୋଗ ଓ ଳସେଚନ କ , ଶୀଘ୍ର ଏବଂ	ୀରନ୍ତୁ ଏବଂ ହ ରନ୍ତୁ। ଭଲ ଅଙ୍କୁର	ଆର ଘୋଡା : ପାଇଁ ତୁରନ୍ତ	ର ଦିଅନ୍ତୁ।						
6	ବ୍ୟବଧାନ				ଧାଡିରୁ ଧାଡି (କେନାଲ) 1											
7	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପ	ଚାର			ବିହନକୁ ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ (	2 ମିଲି/କିପ୍ରା	) ସହିତ ବିଜେ	ଶାଧନ କରା	1010							
8	ଖତ ଏବଂ ସାର				* ବୁଞ୍ଚିମ ସ୍ୱର୍ବରୁ ମୁକ ମାଣ୍ଡା: -30:50:50 ବିଲୋଣ୍ଡାମ ଏକପିରେ (NIYK) * ବୁଞ୍ଚିମର -22-5 ବିଦ୍ୱ ମରେ ପ୍ରଥମ ଏକ ପ୍ରେକ୍ତି: - 50 ଲୋଣ୍ଡାମ କାରଣ୍ଡାବେଳ * ପ୍ରଥମ ଟପ୍ ପରେ 20-25 ବିଜ ପରେ ହିଟୀୟ ଟପ୍ ହେଥି*: 20 ବିଲୋଣ୍ଡାମ ଚାଲଗ୍ରୋଜେନ											
9	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ				ମାଟିର ପ୍ରକାର ଉପରେ ନି ପାଇଁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଏ	ର୍ଭର କରି ନ । ବିଶେଷକରି	ଷତକୁ ଜଳତ ଫୁଲ ଫଳ	ସଚନ କରନ୍ତୁ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ	। 5-6 ଦିନ ବ ମୂଳ ଅଞ୍ଚଳ	୍ୟବଧାନଟେ ର ପର୍ଯ୍ୟାସ୍ତ	ର ଥରେ ହାଲୁକା ଏବଂ ବାରମ୍ବାର ଜଳସେଚନ କରିବା ପରିମାଣର ଆର୍ବ୍ରତା ରହୁଛି ତାହା ସୁନିଷ୍ଟିତ କରନ୍ତୁ ।					
10	ଘାସ ବାଛିବା/ଅନ୍ତଃଚାଷ										ପରେ ମାଟି ଉଠାଇବା। ଲତା ମାର୍ଗବର୍ଶିକା					
11	ସ୍ୟୁ ପୋଷକ ତଭ୍/ବୃଦ୍ଧି (	ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ			ଫଳ ବୃଦ୍ଧି କରିବା ପାଇଁ ପୁ	ଲ ଆସିବା ସ	ାମୟରେ କା	।ଲସିୟମ ନ	ଇଟ୍ରେଟ (1	େଦ୍ରବଣ) ସି	ଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ।					
12	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ	ବିଯକ୍ତଣ			ପାରତମ ମକ୍ତି: ବୃଷ୍ଟୋଧୀରୋଜର 75% ବୃତ୍ୟୁମ (WP) 1.0 ମିଲାଲଟର ତାରଟି ମିଲ୍ୟୁ: ବେଟୁରୋମାରୋଜ 50% + ଗୁରେଫ୍ଲୁବିଷ୍ଟୋବିର 25% ବବୃଷ୍ଟାହି (WG) (ପ୍ରତି ଲିଟର 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ବିସା କ୍ଲୋରୋଥାଲୋଜିଲ 75% ବବୃଷ୍ଟାପି (WP) 1.0 ମିଲାଲଟର ଫୁସାରିଅମ୍ ବିଜ୍ୟ (ସାରୋ ରୋଗ): ବାଦେଶ୍ୱାନିମ୍ (1 ଗ୍ରାମାଲିକର ପାଣ) ସହିତ ମାଡିକୁ ସିଞ୍ଚନ କରତ୍ରା ଲିଫ ମାଲନେ ଆନ୍ତେନିହ୍ନ 1 ଛଉଁ ଭଣି (EC) (0.5 ରୁ 1 ମିଲାଲଟର) ସ୍ୱସ୍ୟ ଏବଂ ଏଫିକ୍: ଫ୍ଲୋଜିକାମିଡ୍ 50% ବଦ୍ୱକ୍ୟୁଷ୍ଟ (WG) (0.5 ଗ୍ରାମାଲିଟର) ବିସା ଫ୍ଲୋବେଣ୍ଡାମିଡ୍ 8.33% + ଡେଲ୍ଲାମେଥିବ୍ 5.56% କବୃଷ୍ଟା ବଦ୍ୱଲ୍ୟ ଏସସି (w/w SC) (0.5 ମିଲାଲିକର)											
42	200				କ୍ଷେତରେ ରୋଗ ଏବଂ ଜୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ ଅଗଳ ପାଇଁ ସମଳ ଫଳ , ଗଳନ (ସନ ଓଡ ଜନ୍ମ ଓଡ ଜନ୍ମ ପାସଙ୍କ 175 130 ନିଜ ।											
13	ଅମଳ				ଅମଳ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ଫଳ - ସବୁଜ (୨୦-୨5 ଦିନ) ରଙ୍ଗୀନ ପ୍ରାୟତଃ 125-130 ଦିନ ।											
14	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ	<u> </u>			ଭଲ ଭାବରେ ପରିଟାଳିତ ଫସଲରୁ 10-15 ଟଟ୍ ଫଳ ମିଳେ											
17	ସଂରକ୍ଷଣ				ସର୍ବତୀର ସହ ଅମଳ କରକ୍ର: ଲୋଟ କାଶ ଅହିତ ଫଳ କାବକୁ: ମଣିବା /ଛିଣାଇତାକୁ ପରିହାର କରକୁ । ଥିୟା ସହାଳ / ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ଅମଳ କଟ ପୂର୍ବ-ଅଣାକରଣ: ଜେନ୍ତର ଜଳାପକୁ ଖୀଣ ଦୁର କରକୁ । ଏହାକୁ ଏକ ଥାଣ ନୋଠନୀରେ ଉଷକୁ, ହିଣା ଅଦି ଉପଲକୁ ହୁଏ ତେତେ ଫୋର୍ସିଡ ଏଣ କୁଲିଂ ବ୍ୟବହାର କରକୁ, ଯାଗା ହାରା ଗଣମାଣ ଗାଣୁ 7-10" ଗେଲସିୟସ ପହଞ୍ଚିପାରିବା ସଙ୍ଗତିବା /ଗୁଡିଂ: ନ୍ଧତିସ୍ଥର, ଜୋଗଣ୍ଡାଣ ବିମ୍ବା ଦିବୁକ ଫଳଗୁଡିକୁ ହୁରକୁ ବ୍ୟବହାର କରକୁ । ଆକାର /ଗୁଣବର । ଅନୁସାରେ ଶ୍ଲେଣୀ । ସଂରକ୍ଷଣ ବାସମନ୍ତା: 7-10"C (4:5-0"F) ବର୍ଗାୟ ଶଞ୍ଜାହ । ଥାଣ ଆଗାବକୁ ବୋସିକ ଅନ୍ତର୍ଗ । ଆଳୀର /ଗଣମାରୁ ଏହାହୁ । ଆଗେଡିକ ଆଗଡ଼ି (साई) ଗୁଣ୍ଡିସମିକ୍ ଡୋବିବି । ପାରି ୬୦% ରେ ଜଣ ଜଣୀର୍ବ ବ୍ୟବ୍ୟ (ଅଧା ବର୍ଷଣ ରହାହୁ ।											
18	କରତ୍ରୁ ନାହିଁ				ହୋଇଥାଏ । ଅମଳ ହୋଇଥିବା ଫଳଗ	ଡିକ ସିଧାସଳ	ଖ ସର୍ଯ୍ୟକିଟ	ାଣରେ ରଖନ୍	ନ୍ତ ନାହିଁ: ଏହ	ଶୀଘ ଶଖ	କ ତରୁର ଅରାଦ ବିସ୍ଥା ଫୁଲର ଶେଷ ପରିଯାଇପାରେ। 'ରେ କ୍ୟାପସିକମର ମୂଳ ରୋଗ ପ୍ରତି ସମ୍ବେଦଶୀଳ ଯାଏ ଏବଂ ପୋଡ଼ିଯାଏ। ୪° ଫଳରେ ଘାଣ୍ଡ ସୃଷ୍ଟି କରେ, ଯାହା ନଷ୍ଟ ହେବାର					
19	କରନ୍ତୁ				ସମିହିତ କାଟ ଏବଂ ରୋଗ ପରିଚାଳନା (IPM) କରତ୍ର: ନିୟମିତ ଭାବରେ ବଦାରଖ କରତ୍ର, ପ୍ରତିରୋଧୀ କିସମ, ଜୈବିକ ନିୟକ୍ଷଣ ବ୍ୟବହାର କରତ୍ର ଏବଂ ବିଚାରର ସହିତ ରାଗାୟନିକ କୀତମଖକ / କଦକମଖକ ପ୍ରୟୋଗ କରତ୍ରା ନିରନ୍ତର ଫଳ ପ୍ରଦାନ ଏବଂ ଗୁଣଦରା ବରାୟ ରଖିବା ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ପରିପକ୍ତା ପର୍ଯ୍ୟୟରେ ଫଳ ଅମଳ କରତ୍ର।											
ଟିପ୍ସଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସ	ୀଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚ	ଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ବୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ହ	ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ	ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ	d .										
ସତର୍କତା		ନ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇ ରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖ		ୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ।	ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ	T କରାଯାଉଛି	। ନିଷ୍ଟିତ କା	ରନ୍ତୁ ଯେ କେ	ବଳ ଉଚ୍ଚମାନ୍ତ	rର ସାର ଏ	ବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର					





குடையின்காய் பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

நோழ்த்துகள்: கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருத்து மிகச் சிறந்த குடையின்காய் பிறைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளிகள். உயர் தர குடையின்காய் விதைகள் தயாரிப்பில் கிரிஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது. இத்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகதல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் நரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவின் தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் குடையின்காய் பிறித்தன் உயிரி சாரர் கழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் க வலிமை கொண்டவை மிகச் சிறந்த மகதலைப் பெற. சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் போதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கேட்டுக்கொள்கமறாம் .																
கலப்பு குடைமிளகாய்	CAP-1201, Hyb. இந்திரஜீத் இந்தஸ் 1201, இந்தஸ்-1201	Hyb. அர்ஜுன், Hyb. SPS யெல்லோ, Hyb. SPS-1504, இந்தஸ் யெல்லோ, இந்தஸ்- 1504, இந்தஸ்-1514, வருண்	Hyb. இந்திரஜீத், Hyb. SPS ரெட், Hyb. SPS பெட், Hyb. SPS-1514, Hyb. வருண், இந்தஸ் ரெட், இந்தஸ் ரேட், இந்தஸ்-1201, இந்தஸ்-1514, மகேஷ் No.7	Hyb. <b>ரேணுகா</b> , இந்தஸ்-11, இந்தஸ்-11 (பாப்டி), МАМ-01	Hyb. இம்பீரியா, மகேழ் (No.7), மகேழ் No.7											
காலம் குிறந்தவெளி																
நிலம்)	160-180 நாட்கள்	160-180 நாட்கள்	160-180 நாட்கள்	160-180 நாட்கள்	160-180 நாட்கள்			ļ 								
காலம் (பாதுகாக்கப்பட்ட அறுவடை)	210-230 நாட்கள்	210-230 நாட்கள்	210-230 நாட்கள்	210-230 நாட்கள்	210-230 நாட்கள்											
காரீப்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்											
ராபி வசந்த காலம்	ஆம் இல்லை	ஆம் இல்லை	ஆம் இல்லை	ஆம் இல்லை	ஆம் இல்லை											
பாசன் ஆதாரம்	குழாய் கிண்று	குழாய் கிணறு	குழாய் கிணறு	குழாய் கிணறு	குழாப் கிணறு											
வ.எண்.	விவாங்கள் / கெ	வானி யல்பாடுகள் / செய்முக	லை துழல்களைப் பொ நா	றுத்து பயிர் வளர்ச்	சி & முதிர்ச்சி மாறு! செயல்முறைக்கான											
					1						ளிர்ந்த இரவுகளும் தேவைப்படுகிறது. இது உறைபனி மற்றும்					
1		ரப்பளவு/விவசாய-காலர	நிலை மண்டலம்		குறைந்த வெப்பநிலையைத் தாங்கும் திறன் அற்றது.											
2	நிலம். மண்	où sarinni a Courinana	· Cami		நீர் தேங்காத மணற்பாங்கான பசளை மற்றும் வண்டல் மண். மண்ணின் pH 5.5 முதல் 6.5 இருத்தல் நல்லது. தென் இந்தியாவில் ஜூன்-அக்டோபர், பிப்ரவரி-ஏப்ரல். வடக்கு மற்றும் மேற்கு இந்தியாவில் ஜூலை-ஆகஸ்ட், பிப்ரவரி-மார்ச்,											
3		ல் நாற்று நடுவதற்கான			கிழக்கு இந்தியாவில்											
4	வதை விகிதம். எ	விதைத்தல்/நாற்று நடும்	முறை.								மணல் மேடுகள் & பள்ளங்கள் முறை.					
5	பிரதான நிலம் மு	ற்றும் நாற்று நடுவதற்	ளன தயாரிப்பு		10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FVM) உரத்தை போட்டு அவை மன்னில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள்.  விதைப்பு கால்வாய்களை உருவாக்குங்கள்  விதைப்பு கால்வாய்களில் உருக்களின் அடி அளவை போட்டு உரத்தை முடி விடுங்கள்  விதைப்பிற்கு இரண்டு நாட்கள் முன் நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள்.  ஒரு மேட்டுக்கு இரண்டு விதையை ஊன்ற வேண்டும். விரைவான மற்றும் சிறந்த முனைத்தலுக்கு உடனடியாக லேசாக நீர் பாய்ச்ச வேண்டும்.											
6	இடைவெளி										தல் தாவரம் வரை 45 செமீ					
7	விதைப்பதற்கு மு	ன்பான விதை தயாரிப்	4		கிலோவிற்கு 2 மிலி	இமிடாக்	ளோப்ரிட்	உடன் க	லக்குங்க	İΠ						
8	் விதைப்பதற்கு முந்தைய அடி உரம் : 305050 என்பிகே (NPK) எருக்கள் மற்றும் உரங்கள் - முதல் மேல் உரமிடுதல் மின் 20-25 நாட்கள் கழித்து: 50 கிலோ N - இரண்டாவது மேல் உரமிடுதல் முதல் உரமிட்ட பின் 20-25 நாட்கள் கழித்து : 20 கிலோ N															
9	பாசன அட்டவலை	881									தக்கு ஒருமுறை லேசான மற்றும் அடிக்கடி பாசனம் செய்வது தியில் போதுமான ஈரப்பதம் இருப்பதை உறுதி செய்யுங்கள்					
10	களை அகற்றுதல்	/ ஊடு பயிரிடுதல்			இரண்டு கைகளால் வரை மண்ணைக் கு						ளகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். விதைத்த பின் 30 நாட்கள் ஈடும்					
11	நுண் ஊட்டச்சத்து	/வளர்ச்சியை ஒழுங்குட	படுத்தும் தெளிப்புகள்		காய் வைப்பதை அ	நிகரிக்க பூ	க்கும் சம	யத்தில் க	கால்சியம்	நைட்ரேப்	் (1% கரைசல்) தெளியுங்கள்.					
12	பூச்சி மற்றும் நே	ாய் கட்டுப்பாடு			குளோரோதலோனில் பியூசேரியம் வாடல்: இலை துளைப்பான்: இலைப்பேன்கள் மற் ∴ப்ளுபென்டியாமை(	டெபுகோ 5 75% டப் கார்பன்ட அபாமெல் றும் செடி § 8.33 % 4	னசோல்  ள்யுபி (w .ாசிம் (லி) ந்டின் 1.8% ,ப்பேன்கள் - டெல்டா	50% + டி. P) லிட்ட( ட்டருக்கு இசி (EC) T: ∴ப்ளே மெத்ரின்	ரைபிளாக்கீ நக்கு 1.0 1 1 கிராம்) 1 (லிட்டரு ானிகாமிட் 5.56 % w/v	ிஸ்ட்ரோட மிலி மண்ணில் க்கு 0.5-1   . 50% டபி . எஸ்சி (	பின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) ம் தெளியுங்கள்.					
13	அறுவடை				காய்கள் அறுவடைக்குத் தயாராகுவதற்கான காலம் - பச்சை (90-95 நாட்கள்) வண்ணப் பழங்கள் 125-130 நாட்கள்.											
14	எதிர்பார்க்கப்படும்	மகதல்														
	சேயிப்பகம்	-			ஒரு நன்கு புராமிநிகப்பட பயிறில் இருந்து 10-15 டன் பழங்களைப் பெறலாம்  வேனமாக அறுவடை செய்யுங்கள். ஒரு சிறிய தண்டுடன் உள்ள பழத்தை வெட்டுங்கள். இழுத்தல் கிழித்தலைத் தவிருங்கள். குளிற்ந்த காலைமானலயில் அறுவடை செய்யுங்கள். முன் குளிருட்டல்: நிலத்தின் வெப்பத்தை விரைவாக நீக்குகிறது. 7-10°C விரைவாக குறைக்க, ஒரு குளிர்ந்த அறை அல்லது கிடைக்கிறது எனில், கட்டாய்-காற்று குளிருட்டலைப் பயன்படுத்துங்கள். வகைப்படுத்துதல் நரப்படுத்துதல்: சேதம் அடைந்த, நோய் தாக்கிய அல்லது நிறம் மாறிய பழங்களை உடனடியாக அகற்றுங்க அளவுதர்த்தின் அடிப்படையில் வகைப்படுத்துங்கள். சேமிப்பக வெப்புநிலை: 7-10°C (45-50°F) பராமரியுங்கள். குளிர் ஏற்படும் சேதத்தைத் தவிர்க்க 7°C க்கும் குறைவாகச் செல்ல வேண்டாம். ஒப்பேடு ராப்பதம் (18-1): கருங்குவதைத் தவிர்க்க உயர் RH அதாவது 90-95% பராமரியுங்கள்.											
18	செய்யக்கூடாதணை	ฉ			அழுகலுக்கு வித்திட நீர் தேங்கும் இடங்க தன்மை கொண்டவை அறுவடை செய்த ப போன்றவற்றை ஏற்	லாம். ளில் பயி வ. ழங்களை படுத்தலா யுவடை ெ	ரிட வேன் நேரடி சூ ம். சய்ய வே	எடாம்: கு ரிய வைச் ண்டாம்:	டைமிளக க்கக்கூடா <sub>ई</sub> பழங்ககை	ாய்கள், ச து: இது வ ாக் கிழிப்ப	வர் அழுகல், நுன்னூட்டக் குறைபாடு, அல்லது அரும்பு அடி ரியாக வடியாத மண்ணில் வேர் நோய்களுக்கு உள்ளாகும் விரைவான வாடல் மற்றும் வெயிலால் கருகுதல் பது தாவரத்தைச் சேதப்படுத்தலாம் மற்றும் பழத்தின் மீது					
19	செய்ய வேண்டிய	ത്തവ			ஒருங்கிணைந்த பூச் உயிரி சார்ந்த கட்டும போதுமான அளவு	சி & நோம ப்படுத்தை போடுங்க	ப் மேலாவ லப் பயன் ள்.	ன்மையை படுத்துங்	பச் செய்யு கள் மற்று	ங்கள்: அட ம் வேதிய	டிக்கடி கண்காணியுங்கள், எதிர்ப்பு திறன் கொண்ட வகைகள், பியல் பூச்சிக்கொல்லிகள் மற்றும் பூஞ்சைக்கொல்லிகளைப் முதிர்வு நிலையில் பழங்களை அறுவடை செய்யுங்கள்,					
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவ	ல் ஒரு பொதுவான அம	ரிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட	பகுதிக்கான தனிப்ப							ழத்ரவு நிலையில் பழங்களை அறுவடை செய்யுங்கள். 					
	, ,				/,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,			~~ 60'								
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்					rGa. ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளுர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் சய்யுங்கள், விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.											





**ਮਿਲਾ ਮਿਚ ਦੀ ਕਾਰਤ ਦਾ ਤਰੀਕਾ** ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪੁਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚ ਸਿਲਲਾ ਮਿਰਚ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਚੀਆਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਕਿਸਮ ਚੁਣੀ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਕੁਟਵੱਡਾ ਵਾਲੇ ਸਿਲਲਾ ਮਿਰਚ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਕਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ -ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਣੀਬ੍ਰਿਡ ਗਲਗ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੇਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਦੇ ਹਨ ਡਾਂਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਗਿਆਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆਂ ਕੁਣਵੱਡਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਦੀ ਸਿਲਲਾ ਮਿਰਚ ਦੇ ਬੀਜ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੰਥਾ , ਬੁਟਿਆ ਦੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਰੋਗਾ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਪੈਣਸੀਲਤਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਰੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

GIGHTE INHO, INGA	ਸੀਏਪੀ-੧੨੦੧' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ ਇਦ੍ਜੀਤ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ : ਇਦ੍ਜੀਤ' ਇਡਸ-੧੨੦੧' ਇਡਸ-੧੨੦੧' ਇਡਸ-੧੨੦੧	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ , ਅਰਜੁਨ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ , ਰੇਸਪੀਏਸ ਯੋਲੋ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ , ਦੇਸਪੀਏਸ 'ਯੋਲੋ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ , ਦੇਸਪੀਏਸ -੧੫੦੪' ਇੰਡਸ ਯੋਲੋ' ਇੰਡਸ- ੧੫੦੪' ਇੰਡਸ-੧੫੧੪' ਇੰਡਸ-੧੫੧੪' ਚਰੁਣ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ. ਏਸਪੀਏਸ ਰੋਡ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ. ਏਸਪੀਏਸ-੧੫੧੪' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ. ਏਸਪੀਏਸ- ੧੫੧੪' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ. ਬਹੁਣ' ਇੰਡਸ ਰੋਡ' ਇੰਡਸ ਰੋਡ' ਇੰਡਸ ਰੋਡ' ਇੰਡਸ-੧੨੦' ਮਹੋਸ਼ ਠੰ.7	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਰੇਨੁਕਾ' ਇੰਡਸ-੧੧' ਇੰਡਸ-੧੧ (ਪੋਪਟੀ)' ਏਮਏਏਮ- ੦੧' ਏਮਏਏਮ-੦੧	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਇਮ੍ਪੀਰਿਯਾ' ਮਹੇਸ਼ (ਨਂ.੭)' ਮਹੇਸ਼ ਨਂ.੭									
ਮਿਆਦ (ਖੁੱਲ੍ਹਾ ਖੇਤਰ)	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS	160-180DAS									
ਮਿਆਦ (ਸਰੱਖਿਅਤ ਕਾਸ਼ਤ)	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	210-230 DAS	<b> </b>					1			
ਖ਼ਰੀਫ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ						1			
ਰਬੀ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	<b> </b>					1			
ਸਪਿੰਗ	ਨਹੀਂ	ਨਹੀਂ	ਨਹੀਂ	ਨਹੀਂ	ਨਹੀਂ						1			
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਟਿਉਬਵੈੱਲ	ਟਿਉਬਵੈੱਲ	ਟਿਉਬਵੈੱਲ	ਟਿਉਬਵੈੱਲ	ਟਿਉਬਵੈੱਲ						1			
		" Fa	ਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ	ਅਤੇ ਪਰਿਪੰਕਤਾ ਮੰਸਮ ਦੇ ਆਧਾ	ਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ	<del>]</del>								
ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ				ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ									
	ਖੇਤੀਬਾੜੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਸਾ	ਥਾਨ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ			ਸ਼ਿਮਲਾ ਮਿਰਚ ਨੂੰ ਗਰਮ ਦਿਨ			ਸੁੱਕੇ ਅਤੇ ਗਰ	ਰਮ ਮੌਸਮ ਦੀ	ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।	। ਇਹ ਠੰ	ਡੇ ਅਤੇ ਘੱਟ ਤਾ।	ਪਮਾਨ ਨੂੰ ਬਰਦਾਸ਼	ਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ।
2	ਜ਼ਮੀਨ। ਮਿੱਟੀ				ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਚੇਤਲੰ									
	ਮੈਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ				ਦੱਖਣੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਜੂਨ-ਅ				ਜੁਲਾਈ-ਅਰ	ਸਤ <i>,</i> ਫਰਵ	ਟਰੀ-ਮਾਰ	ਤੁਚ ਅਤੇ ਪਛਮ	ਭਿਰਤ ਵਿੱਚ ਪੁ	ਰਬੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ। ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ				ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ 120-1									
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			10 ਟਨ ਸੜੀ ਹੋਈ ਰੂੜੀ ਪ	ਮਾਓ ਅਤੇ ਇਸ ਲਾ	ਈ ਹਲ ਵਾਹੇ	ਹ ਤਾਂ ਜੇ ਇਹ	<b>ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ</b>	ਰਲ ਜਾਵੇ।				
6	ਬੁਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ				ਕਤਾਰ ਤੋਂ ਕਤਾਰ (ਕਨਾਲ)	) 180-200 ਸੈ.ਮੰ	ੀ.; ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੁ	ਬੂਟੇ ਤੱਕ: 4!	5 ਸੈ.ਮੀ.					
7	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ੳਪਚ	ਾਰ		,	ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਇਮੀਡਾਕਲੋਪ੍ਰਿਡ (2 ਮਿ.ਲੀ./ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ) ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।									
	1411 0 0 4100 4111 0 940				ਬਾਜ ਦਾ ਚੁਪਰਾਰ ਇਸਤਾਕਨਾਪ੍ਰਡ (2 ил.кг./ јакод и ) ਨਾਲ ਕਾਤਾ ਜਾਦਾ ਹੈ। * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਲ ਖੁਰਾਕ: 30:50:50 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ NPK									
8	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ				* ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਲ * ਪਹਿਲੀ ਚੋਟੀ ਦੀ ਡਰੇਸਿੰ * ਪਹਿਲੀ ਚੋਟੀ ਤੋਂ 20-25	ਗਿ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 2(	0-25 ਦਿਨਾਂ	ਬਾਅਦ: 50						
9	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਈ			ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੇ। 5-6 ਇਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਇੱਕ ਵਾਰ ਹਲਕੀ ਅਤੇ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰਨ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਜੜ੍ਹ ਖੇਤਰ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਕਾਫ਼ੀ ਨਮੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।										
	ਖੇਤ ਦੀ ਨਦੀਨ-ਨਾਸ਼ਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ			ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਘਾਹ ਕੱ ਚੱਕਣਾ ਅਤੇ ਦਿਸ਼ਾ ਦੇਣਾ								ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਵ	ਵੇਲ ਨੂੰ ਮਿੱਟੀ ਨਾਲ	
11	ਪੈਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ	ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ			ਫਲਾਂ ਦੇ ਸੈੱਟ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਨ	ਲਈ, ਫੁੱਲ ਆਉਣ	ਤ ਦੇ ਸਮੇਂ ਕੈਲ	ਤਸ਼ੀਅਮ ਨਾ	धेदे्ट (1%	ਘੋਲ) ਦਾ ਵਿ	ਛੇੜਕਾਮ	। ਕਰੋ।		
12	ਕੀਟ ਅਤੇ ਚੇਗ ਨਿਯੰਤਰੲ				ਬਾਊਨੀ ਗਾਊਂਜੀ: ਏਕਰੋਨਾਜ਼ੋਤ 50% + ਦਾਵੀਵਲੇਕਸੀਸਟਵਿੱਸ਼ 25% WG (0.5 ਤੋ 1 ਕਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਕਲੇਰੋਬੋਲੀਨਲ 75% WP 1.0 ਮਿ.ਸੀ.ਮੀਟਰ ਫ਼ਿਊਨੋਰੀਆਮ ਦਿਸ਼ਣ: ਲਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਬਾਰਬੀਬਾਜਿਮ ਘੌਸ਼ 11 ਕਾਮਸੀਟਰ ਪਟਾਂਸ਼ ਪਾਉਂਜ ਸ਼ੀਰ ਮਾਈਨਲ ਅਸਮੇਕਟਿੰਸ 18% EC (0.5 ਤੋਂ 1 ਮਿ.ਸੀ.ਮੀਟਰ) ਬਿਸ਼ਸ ਅਤੇ ਐਮੀਡਜ਼: ਫ਼ਲੇਨੀਕਾਮਿਲ 50% WG (0.5 ਗੁਮਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਚੜ੍ਹਬੇਡੀਆਪਾਈਡ 8.33% + ਡੈਕਟਾਮੋਥਰਿਨ 5.56% 5.56 % www SC (0.5 ਮਿ.ਸੀ.ਮੀਟਰ) ਮੌਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਧੰਤਰਣ ਬਾਤੇ ਵਧੋਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਜ਼ਿਰਮਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।									
13	ਵਾਜ਼ੀ				ਵਾਜ਼ੀ ਲਈ ਤਿਆਰ ਫਲ - ਹਰਾ (90-95DAS) ਰੰਗਦਾਰ ਲਗਭਗ 125-130 DAS।									
14	ਅਨਮਾਨਿਤ ਝਾੜ				ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਬੰਧਿਤ ਫਸਲ ਤੋਂ 10-15 ਟਨ ਫਲ									
	ਸਟੋਰੇਜ				ਵਾਬੀ ਕਰਦੇ ਸਮੇਂ ਸਾਵਧਾਨ ਪੂਰਵ-ਠੰਢਾ ਕਰਨਾ: ਖੇਤ ਿ ਕਰੇ, ਜਲਦੀ ਤੋਂ 7-10°C ਵ ਫਲਾਂ ਦੀ ਛਾਂਟੀ/ਗ੍ਰੇਡਿੰਗ ਕ ਸਟੋਰੇਜ ਤਾਪਮਾਨ: 7-10° ਸਾਪੇਖਿਕ ਨਮੀ (RH): ਸੁੰ-	ਨ ਰਹੋ: ਫਲ ਨੂੰ ਜੁ: ਵਿੱਚੋਂ ਗਰਮੀ ਨੂੰ ਜ ਦਾ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਬਣਾ ਸ਼ਰਦੇ ਸਮੇਂ, ਖਰਾਬ °C (45-50°F) ਬ	ਸ਼ੁੜੀ ਡੰਡੀ ਨਾ ਜਲਦੀ ਹਟਾਓ ਾਓ। ਬ, ਬਿਮਾਰ ਜ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।	ਓ। ਠੰਢੇ ਕਮ ਜਾਂ ਰੰਗ ਬਦ । ਠੰਢੀ ਸੱਟ :	ਕੇ ਵਿੱਚ ਸਟੋ ਲੈ ਹੋਏ ਫਲਾਂ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਏ	ਰ ਕਰੋ, ਜਾਂ ਨੂੰ ਤੁਰੰਤ ਵਾਂ ਹੈ 7°C ਤੋਂ ਘੋ	ਜੇ ਉਪ ੱਖ ਕਰੋ।	ਲਬਧ ਹੋਵੇ ਤਾਂ । ਫਲਾਂ ਨੂੰ ਆਕਾ	ਫੌਰਸਡ-ਏਅਰ ਰੂ ਰ ਅਤੇ ਗੁਣਵੱਤਾ	ਭੂਲਿੰਗ ਦੀ ਵਰਤੋਂ
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ			ਜ਼ਿਆਦਾ/ਘੱਟ ਪਾਣੀ ਨਾ ਪਾਓ: ਦੇਵੇਂ ਹੱਦਾ ਜੜ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੜਨ, ਪੰਜ਼ਟਿਕ ਤੰਤਾ ਦੀ ਘਾਟ, ਜਾਂ ਵੁੱਲਾਂ ਦੇ ਸਿਰੇ ਦੀ ਸੜਨ ਦਾ ਕਾਰਨ ਬਣ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ। ਪਾਣੀ ਭਰੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਤੋਂ ਬਦੇ: ਘੱਟ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਸਿਮਲਾ ਮਿਰਚਾ ਜੜ੍ਹਾ ਦੀਆਂ ਸ਼ਿਮਾਰੀਆਂ ਲਈ ਵਾਰੇਸ਼ ਸਵੇਦਨਸ਼ੀਲ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਤੇੜੇ ਹੋਏ ਵਲਾਂ ਨੂੰ ਸਿੱਧੀ ਪੁੱਪ ਵਿੱਚ ਨਾ ਪਾਓ: ਇਸ ਨਾਲ ਉਹ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਮੁਰਝਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਧੁੱਪ ਨਾਲ ਜਲ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਗਲਤ ਕਟਾਈ ਤੋਂ ਬਦੇ: ਵਲਾਂ ਦੀ ਤੁੜਾਈ ਬੂਟੇ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਾਉਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਵਲਾਂ 'ਤੇ ਜ਼ਖ਼ਮ ਪੈ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਵਲ ਖਰਾਬ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।										
19	ਕੀ ਕਰੋ		ਏਕੀਕ੍ਰਿਤ ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਪ ਰਸਾਇਣਕ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ/੧਼ ਫਲਾਂ ਦੀ ਨਿਰੰਤਰ ਪੈਦਾਵਾਰ	ਉੱਲੀਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ	ਸਮਝਦਾਰੀ	ਨਾਲ ਵਰਤੋ	ਾਂ ਕਰੋ।							
तेट	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕ	ਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰ	ਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਚ	ਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰ <b>਼</b>	र बठे।									
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱ	ਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ï ਖਿੱ।	ਜਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰ	ਭੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱ	ੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ।	ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼	ਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆ	ਾਲਿਟੀ ਦੀਅ	ਾਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ	ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ	ਕਾਂਦੀਵ	ਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾ	ਵੈ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਮ	ਮਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ